महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीतने का मतलब हमेशा प्रथम आना नहीं होता। इसका मतलब है कि आप बेहतर कर रहे हैं

वर्ष : 16 अंक : 252 | उज्जैन, शनिवार 21 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

तकनीक तभी सार्थक जब वह मानव हित में हो, हम एआई को सुशासन और सबके विकास के लिए अपनाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में एआई बेस्ड डेटा सेंटर की स्थापना के लिए निवेशक आमंत्रित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कोई भी नई तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानवता के हित में अवसरों से भरपूर और कारगर हो। हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को नवाचार के साथ सबके विकास, सामाजिक समरसता, सुशासन और देश-प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साधन के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत आज डिजिटल परिवर्तनों को अपनाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में एआई कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन उद्योग और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और आम नागरिक तक योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय एकता और सामूहिक संकल्प का आह्वान करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा। हम सब एकजुट होकर एआई के माध्यम से भारत को समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। एआई तकनीक हमारे लिए अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन लांच करेगा, जो शासन प्रणाली, सार्वजनिक सेवाओं और आर्थिक अवसरों को तकनीक आधारित रूप में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के समापन सत्र में सहभागिता की। उन्होंने भारत मंडपम् स्थित भोपाल मीडिया सेंटर में नेशनल मीडिया करेस्पांडेंट्स से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के भविष्य और इसके इस्तेमाल पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एआई से निर्भय होकर देश के हित में काम करने पर जोर दिया है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्धि के लिए सभी चुनौतियों से उबरकर तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश, भारत का 5वां बड़ा राज्य है। राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में एआई की मदद से सही समय पर बीमारियों की पहचान और उनका निदान एवं सुदूर अंचलों तक बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मध्यप्रदेश में नए-नए उद्योग स्थापित करने के लिए हमारे पास पर्याप्त भूमि और पानी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई को ÷नये जमाने की नई वैज्ञानिक विधा बताते हुए इसके जिम्मेदारीपूर्ण और मानवीय उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई तकनीकी प्रगति के माध्यम के साथ मानव जीवन की गुणवत्ता सुधारने का सशक्त साधन भी है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि एआई का विकास और उपयोग भारतीय मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में प्रतिभा, संसाधन और दृष्टि, तीनों का अद्वितीय संगम मौजूद है। सही दिशा में एआई का उपयोग कर हम अपने देश को वैश्विक एआई परिदृश्य में अग्रणी भूमिका में ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई का भविष्य इसकी तकनीकी श्रेष्ठता, नैतिकता, पारदर्शिता और समावेशिता में निहित है। यह हम पर है कि हम इसका उपयोग किस तरह, किस दिशा में और किस लक्ष्य के लिए कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रदेश देश के मध्य में स्थित है। हमारे पास पर्याप्त लैंड बैंक है। प्रदेश में एआई आधारित एक बड़ा डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस डेटा सेंटर की स्थापना के लिए हमने बड़े निवेशकों और कम्पनियों को भी आमंत्रित किया है। एआई के जरिए प्रदेश के तकनीकी विकास और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण को गति मिलेगी। प्रदेश के नागरिकों के कल्याण के लिए हम हर सेक्टर में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। किसानों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध होगी। किसानों के लिए फसलों में होने वाली बीमारियों की सही समय पर जांच और उपचार करने से उत्पादन में लाभ मिलेगा। बहुफसलीय खेती को बढ़ाने, किसानों को बिजली-पानी और सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने, प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने और आवागमन सुगम बनाने सहित हर सेक्टर में एआई का भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश के बड़े और छोटे शहरों में आईटी पार्क बनाए जा रहे हैं। हमारे युवाओं में टैलेंट की कमी नहीं है। युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कानून से खिलवाड़, बिना लाइसेंस धड़ल्ले से बिक रहे ड्रोन-जैमर; नोटिस जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। ऑनलाइन बाजार में ऐसे उपकरण धड़ल्ले से बेचे जा रहे थे, जिनपर सरकार का सख्त नियंत्रण है। लाइसेंस और मंजूरी के बिना ऐसी छह ई-कामर्स कंपनियों की चोरी पकड़ी गई है, जो एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर की बिक्री कर रही थीं। ये उपकरण सामान्य इलेक्ट्रानिक सामान नहीं होते। ये रेडियो फ्रीक्वेंसी सिग्नल को बाधित करते हैं, जिससे ड्रोन या जीपीएस सिस्टम काम करना बंद कर सकते हैं। सुरक्षा कारणों से ऐसे उपकरणों पर नियंत्रण रखा जाता है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। इन कंपनियों में एवरसे, इंडिया मार्ट, एक्सबूम, जावियट एयरोस्पेस, मैवरिक ड्रोन एंड टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड एवं एयरवन रोबोटिक्स शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रोन तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच ऐसे उपकरणों की अनियंत्रित बिक्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। इन उपकरणों को अगर चालू किया जाए तो आसपास उड़ रहे ड्रोन या जीपीएस आधारित सिस्टम काम करना बंद कर सकते हैं। इसी वजह से सुरक्षा के लिहाज से इन उपकरणों की बिक्री और उपयोग पर कड़ा नियंत्रण रखा जाता है। आम नागरिक इन्हें न तो खरीद सकते हैं और न ही इस्तेमाल कर सकते हैं। आमतौर पर इनकी अनुमति केवल अधिकृत सरकारी एजेंसियों या सुरक्षा बलों को दी जाती है। कानून भी इसपर स्पष्ट है। इंडियन टेक्नोलाजी एक्ट-1885 एवं वायरलेस टेलीग्राफी एक्ट-1933 के तहत ऐसे उपकरणों के स्वामित्व और उपयोग को नियंत्रित रखना है। इसके अलावा आयात के मामले में भी सख्त नियम लागू होते हैं और संबंधित विभाग से मंजूरी जरूरी होती है। बिना लाइसेंस इनका व्यापार करना कानून का उल्लंघन माना जाता है। सीसीपीए का कहना है कि जिन प्लेटफार्म्स पर ये उत्पाद सूचीबद्ध थे, वहां कहीं भी यह साफ नहीं लिखा गया था कि इन्हें खरीदने के लिए विशेष लाइसेंस या सरकारी अनुमति चाहिए।

बदले की कार्रवाई, सबरीमाला सोना चोरी मामले में मंदिर के तंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़े बहुचर्चित सोना चोरी मामले ने अब खुलकर राजनीतिक रंग ले लिया है।मंदिर के तंत्री कंदारारू राजीवरू ने अपनी गिरफ्तारी को सीधे 2018 के महिला प्रवेश विवाद से जोड़ते हुए इसे बदले की कार्रवाई बताया है। कोल्लम विजिलेंस कोर्ट ने 41 दिन की हिरासत के बाद उन्हें जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि कथित अनियमितताओं में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता का कोई प्रमाण रिकार्ड पर नहीं है। तंत्री का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद मासिक धर्म आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की कोशिशों के दौरान उन्होंने मंदिर की परंपराओं और अनुष्ठानों की रक्षा के लिए कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने राजनीतिक हस्तक्षेप स्वीकार करने से इनकार किया था और स्थापित परंपराओं से छेड़छाड़ होने पर पूजा-अर्चना न करने तक की चेतावनी दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर को सभी दिनों खुला रखने के प्रयासों का उन्होंने देवता के नित्य ब्रह्मचारी स्वरूप का हवाला देकर विरोध किया था। उनका आरोप है कि उसी रुख से कई प्रभावशाली लोग नाराज हो गए और अब उनकी छवि खराब करने तथा उन्हें अवैध लेनदेन में शामिल दिखाने के लिए झूठे मामलों में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि एसआइटी ने उन्हें मुख्य आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी से जोड़ने की कोशिश की, जबकि पोट्टी की नियुक्ति उन्होंने नहीं की थी। उधर, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि बिना उचित कारण तंत्री को 41 दिन जेल में रखना गंभीर मामला है और एसआइटी को इसका जवाब देना चाहिए।

हैदराबाद में CBI अदालत को फिर से मिली बम से उड़ाने की धमकी, हुई गहन तलाशी; फर्जी निकली बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। हैदराबाद में सीबीआइ अदालत को शुक्रवार को एक और बम की धमकी वाला ईमेल भेजा गया, जिससे दहशत फैल गई। कोर्ट को भेजे गए ईमेल में चेतावनी दी गई थी कि शुक्रवार को विस्फोट होंगे। कोर्ट अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। परिसर को खाली कराया गया और गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों को परिसर की पूरी तरह से तलाशी के लिए लगाया गया। ईमेल में चेतावनी थी कि कोर्ट में 12 आरडीएक्स बम लगाए गए हैं, जो दोपहर 12=05 बजे फटेंगे।

फर्जी निकली बात- सूचना मिलने के बाद अधिकारियों ने न्यायाधीशों, कर्मचारियों, वकीलों और मुवक्किलों को कोर्ट भवन से बाहर निकाला। इसी तरह का एक ईमेल बुधवार को भी प्राप्त हुआ था और पुलिस द्वारा परिसर की व्यापक तलाशी के बाद यह फर्जी साबित हुआ। इससे पहले, दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में गुरुवार को स्कूलों, सचिवालय और पुलिस मुख्यालय और न्यायिक परिसरों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। राष्ट्रीय राजधानी के तीन स्कूलों को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के बीच उड़ाने की धमकी से अफरातफरी मच गई।

हुआ सर्च ऑपरेशन- सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर सर्च आपरेशन शुरू किया। पुलिस टीम ने परीक्षा केंद्र के कमरे खाली कराए और विद्यार्थियों व स्टाफ को बाहर निकाल कर जांच की। हालांकि, कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

45 दिन से अधिक अस्थायी नियुक्तियों में आरक्षण अनिवार्य, UGC ने उच्च शिक्षण संस्थानों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। समता नियमों को लेकर खड़े हुए विवाद के बाद विश्वविद्यालय सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों व गैर-शैक्षणिक पदों पर अस्थाई रूप से होने वाली नियुक्तियों में आरक्षण मानकों का पालन न होने के मामले ने भी तूल पकड़ा है।

हालांकि इससे जुड़ी शिकायतों के सामने आने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षण संस्थानों से खाली पदों पर की जाने वाली अस्थाई नियुक्तियों के लिए बने नियमों का पालन करने के निर्देश दिए है। जिसमें 45 दिन या उससे अधिक अवधि के लिए कोई अस्थाई नियुक्ति की जाती है, तो उसमें आरक्षण मानकों का पालन करना होगा।

यूजीसी ने इसके साथ ही देश भर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से अपने यहां वर्ष 2023-24 और 2024-25 के बीच की गई अस्थाई नियुक्तियों का ब्यौरा मुहैया कराने के भी निर्देश दिए है। माना जा रहा है कि इन आंकड़ों के आने के बाद अस्थाई पदों पर की जाने वाली नियुक्तियों में आरक्षण नियमों का पालन न करने के आरोपों को जांचा जा सकेगा।

यूजीसी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थानों को यह निर्देश तब दिए गए है, जब एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग से जुड़े संगठनों इस मुद्दे को इंटरनेट मीडिया के जरिए लगातार उठ रहे है। साथ ही एससी-एसटी और ओबीसी आयोग व शिक्षा मंत्रालय से भी इसे लेकर शिकायत की गई है।

गौरतलब है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के खाली पदों को भरने को लेकर शिक्षा मंत्रालय पहले भी अपना रुख साफ चुका है।

इंडिगो संकट के 75 दिनः हजारों यात्री अब भी मुआवजे के इंतजार में

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिसंबर 2025 में इंडिगो एयरलाइंस की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्दीकरण और देरी के 75 दिन बीत जाने के बावजूद, 3, 4 और 5 दिसंबर को प्रभावित हुए कई यात्रियों को अभी तक पूरा मुआवजा नहीं मिला है। नए पायलट ड्यूटी नियमों के कारण हुई इस संकट ने लाखों यात्रियों को प्रभावित किया, जिसमें इंडिगो ने हजारों उड़ानें रद कीं और बाजार हिस्सेदारी वाले देश के सबसे बड़े एयरलाइन के ऑपरेशंस बुरी तरह प्रभावित हुए।

क्या था संकट का कारण- 1 नवंबर 2025 से पूरी तरह लागू हुए डीजीसीए के नए एफटीएल नियमों ने पायलटों की साप्ताहिक अनिवार्य विश्राम अवधि 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दी। साथ ही, रात के समय (मिडनाइट से सुबह 6 बजे) लैंडिंग की संख्या 6 से घटाकर मात्र 2 कर दी गई। इन बदलावों से इंडिगो के क्रू रोस्टरिंग पर गहरा असर पड़ा, खासकर रेड-आई और अर्ली मॉर्निंग फ्लाइट्स पर, जिसके कारण एयरलाइन को क्रू की कमी का सामना करना पड़ा।

यात्रियों का बयान- मिड-डे ने कुछ यात्रियों से बात की जिन्होंने अभी तक अपना मुआवज़ा न मिलने पर अपनी परेशानी व्यक्त की। चार दिसंबर को मुंबई से बेंगलुरु जा रही करीना ओस्तवाल को 5 दिसंबर तक देरी का सामना करना पड़ा, जब आखिरकार वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पारिवारिक कार्यक्रम के लिए बेंगलुरु पहुंच सकीं।

करीना ने कहा कि मेरी उड़ान पूरे एक दिन के लिए लेट हो गई और पारिवारिक कार्यक्रम स्थगित हो गया। कम से कम मुझे उचित मुआवज़ा तो मिलना ही चाहिए था। और एयरलाइन ने अभी तक मुझे इस बारे में कोई सूचना नहीं दी है कि मुझे देरी के लिए उनकी ओर से जेस्चर ऑफ केयर (जीओसी) मुआवजा मिलेगा।

विधानमंडल से 9.12 लाख करोड़ का बजट हुआ पारित

लखनऊ/ जीएनएस। योगी सरकार ने शुक्रवार को अपना 10वां बजट विधानमंडल के दोनों सदनों से पारित करा लिया। यह बजट कुल 9,12,696.35 करोड़ रुपये का है। विनियोग विधेयक पास कराने के साथ ही विधान सभा और विधान परिषद शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। विधानमंडल का बजट सत्र इस बार 10 दिन चला। इस दौरान सरकार ने विनियोग सहित कुल छह विधेयक पारित कराए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) विधेयक, उत्तर प्रदेश नगर पालिका (संशोधन) विधेयक व उत्तर प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध (संशोधन) विधेयक शामिल हैं।

एआई में सबसे करीबी साझेदार बनेंगे भारत व अमेरिका, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ तय होगा भविष्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। पैक्स सिलिका अमेरिका के नेतृत्व में भारत के शामिल होने के कुछ ही देर बाद भारत और अमेरिका ने आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस (एआई) के भविष्य को लेकर एक महत्वाकांक्षी संयुक्त घोषणा-पत्र भी जारी किया।

इसमें दोनों दोनों देशों ने स्पष्ट किया है कि 21वीं सदी की पहचान केवल सॉफ्टवेयर या एल्गोरिदम से नहीं, बल्कि एआई के भौतिक ढांचे जैसे क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा, कंप्यूटिंग क्षमता और सेमीकंडक्टर निर्माण से तय होगी। इसीलिए एआई का विकास भरोसेमंद सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और मुक्त उद्यम के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए।

संयुक्त बयान में क्या कहा गया- संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह साझेदारी एक नए युग का संकेत है, जिसमें दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र केवल स्वतंत्रता की रक्षा में ही नहीं बल्कि समृद्धि और सामाजिक सामंजस्य की दिशा में भी साथ खड़े हैं।

भारत और अमेरिका का लक्ष्य ऐसा एआई भविष्य बनाना है जो नागरिकों की सेवा करे, अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के साथ ही स्वतंत्रता, खुलेपन व कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों को प्रतिबिंबित करे।अमेरिका ने इस तरह से एआइ पर साझा घोषणा पत्र अभी तक सिर्फ तीन देशों इजरायल, केन्या और यूरोपीय संघ के साथ जारी किया है।

लेकिन इन तीनों का उद्देश्य अलग अलग रहा है। भारत जैसी व्यापकता इन देशों के साथ जारी घोषणा पत्र में नहीं है। साथ ही इसमें जिस तरह से एआई के इस्तेमाल में लोकतांत्रिक देशों को एकजुट करने की कोशिश है वह परोक्ष तौर पर चीन पर निशाना है।

संयुक्त बयान में पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित ट्रस्ट (ट्रांसफोरमिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटजिक टेक्नोलोजीज) घोषणा की भावना को दोहराया गया है। दोनों देशों ने कहा कि एआई को लेकर डर या आशंकाओं में उलझने के बजाय अवसरों को अपनाने की जरूरत है।

उनका मानना है कि मुक्त विश्व के सामने सबसे बड़ा जोखिम एआई का विकास नहीं, बल्कि इसमें अगुवाई करने में विफल रहना है।इसके तहत कई साझा प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जैसे अन्वेषण को बढ़ावा देने वाले नियामक ढांचा की स्थापना यानी दोनों देश ऐसे नियामक तंत्र विकसित और मुख्यधारा में लाने का काम करेंगे जो तकनीकी नवाचार को बढ़ावा दें और निवेश को प्रोत्साहित करें।

HC ने केरल स्टोरी 2 के निर्माताओं और CBFC को भेजा नोटिस, टाइटल पर पुनर्विचार की मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल हाई कोर्ट ने द केरल स्टोरी-2-गोज बियांड के निर्माताओं, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्रीय सरकार को एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। इसमें फिल्म के प्रमाणन को रद करने और इसके शीर्षक पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है।

यह याचिका कन्नूर के कन्नावम के निवासी श्रीदेव नंबूदिरी द्वारा दायर की गई है।याचिका में कहा गया कि यह अदालत में उस समय पहुंची जब फिल्म द केरल स्टोरी-2-गोज बियांड को सीबीएफसी द्वारा कथित तौर पर सिनेमा अधिनियम, 1952 के तहत आवश्यक कानूनी प्रविधानों का पालन किए बिना प्रमाणित किया गया।

जस्टिस बेचु कुरियन थामस की पीठ ने गुरुवार को याचिका पर विचार करते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की। याचिका के अनुसार फिल्म के टीजर और ट्रेलर में विभिन्न राज्यों की महिलाओं के साथ जुड़ी कथाएं दिखाई गई हैं, लेकिन सामग्री को द केरल स्टोरी के रूप में ब्रांड किया गया, जिससे आतंकवाद, दुष्कर्मी मतांतरण और जनसांख्यिकीय साजिशों को केवल केरल के साथ जोड़ा गया।

अब आसमान से होगी निगरानी, इंदौर में ड्रोन से यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त नजर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, सुचारू और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस ने स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। अब शहर के व्यस्ततम चौराहों और प्रमुख मार्गों पर ड्रोन के माध्यम से डिजिटल पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर. के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में इस नई व्यवस्था की शुरुआत 19 फरवरी 2026 से की गई।

ड्रोन तकनीक के माध्यम से हाई रेजोल्यूशन कैमरों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों की सतत निगरानी की जा रही है। पुलिस कंट्रोल रूम में लगी स्क्रीन पर अधिकारियों ने पलासिया, गीता भवन चौराहा, इंद्रप्रस्थ चौराहा, इंडस्ट्री हाउस, आनंद बाजार, रीगल सहित आसपास के प्रमुख मार्गों की लाइव मॉनिटरिंग की। इस दौरान नो पार्किंग में वाहन खड़े करने, लेफ्ट टर्न बाधित करने, रॉन्ग साइड वाहन चलाने तथा दुकानों के बाहर भीड़ लगाकर यातायात बाधित करने वाले लोगों को चिन्हित किया गया और मौके पर तैनात पुलिस बल को सूचना देकर चालानी कार्रवाई की गई।

ड्रोन पेट्रोलिंग के दौरान यातायात को अवरुद्ध करने वाली बाधाओं को हटाया गया, ठेलों को साइड में कराया गया तथा दुकानों के सामने एकत्रित भीड़ को हटवाकर यातायात को सुचारू किया गया। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि तकनीक के माध्यम से जनता का सफर सुरक्षित और सुखद बनाना ही हमारा लक्ष्य है। ड्रोन तकनीक से न केवल मैनपावर की बचत होगी, बल्कि उन क्षेत्रों पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी, जहां तत्काल पुलिसकर्मी पहुंच पाना संभव नहीं होता।

ड्रोन पेट्रोलिंग से नियम उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई, जाम की स्थिति में बेहतर नियंत्रण, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया तथा रात के समय भी सघन निगरानी संभव हो सकेगी। इंदौर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, क्योंकि अब डिजिटल निगरानी प्रणाली सक्रिय हो चुकी है और ड्रोन फुटेज के आधार पर ई-चालान की कार्रवाई की जाएगी।

भागीरथपुरा घटना पर राजनीति न करे कांग्रेस, भोपाल गैस कांड का इतिहास जनता नहीं भूली- सुमित मिश्रा

सुमित मिश्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा की दुखद घटना को लेकर बयानबाजी के बीच भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मामले में राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस को लोगों की पीड़ा पर सियासत करने से बाज आना चाहिए। मिश्रा ने कहा कि भागीरथपुरा की घटना अत्यंत दुखद है और पीड़ित परिवारों का दर्द पूरा इंदौर और भाजपा संगठन अपना दर्द मानता है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता परिवार के सदस्य की तरह उनके साथ खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा।

मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस यदि इस घटना को राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास करेगी तो उसे इतिहास के उन पन्नों का भी सामना करना होगा, जिन्हें देश और प्रदेश की जनता भूली नहीं है। उन्होंने कहा कि Bhopal Gas Tragedy केवल एक हादसा नहीं बल्कि सामूहिक हत्या थी। हजारों निर्दोष लोगों की जान गई और उस मामले के मुख्य आरोपी को तत्कालीन प्रधानमंत्री Rajiv Gandhi के इशारे पर कांग्रेस सरकार ने विशेष सुविधा देकर देश से बाहर भेज दिया। यह पाप कांग्रेस के सिर पर आज भी है और जनता इसे भूली नहीं है।

उन्होंने वर्ष 1996 की घटना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि Mahakaleshwar Jyotirlinga में सोमवती अमावस्या के दौरान हुई भगदड़ में 35 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और वीआईपी दर्शन की व्यवस्था के बीच अव्यवस्था फैलने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की जनता इस घटना को भी नहीं भूली है।

मिश्रा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि उस त्रासदी का दाग भी कांग्रेस के माथे पर है, जिसमें हजारों निर्दोष सिखों की जान गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए, न कि हर दुखद घटना पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा की घटना पर भाजपा संवेदनशील है, लेकिन कांग्रेस यदि मर्यादा तोड़ेगी तो भाजपा भी तथ्यों के साथ जवाब देगी। मिश्रा ने कहा कि राजनीतिक शालीनता बनाए रखना सभी दलों की जिम्मेदारी है और जनता सब देख रही है।

आरटीओ ने की स्कूली वाहनों पर कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में स्कूली तथा अन्य वाहनों की चेकिंग का अभियान जारी है। अभियान में आज क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अमले द्वारा मांगलिया क्षेत्र के स्कूली वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित सभी दस्तावेज चेकिंग के साथ वाहनों का निरीक्षण भी किया गया। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरण, स्पीड गवर्नर की भी जांच की गई।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस दौरान 01 स्कूली वाहन बिना परमिट के पायी गई, जिसे जब्त किया गया। साथ ही 10 से अधिक वाहनों में विभिन्न कमियाँ पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम के विभिन्न नियमों का उल्लंघन करने पर 56 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूला गया। साथ ही बच्चों और उनके पालकों से फीडबैक भी लिया गया। उनसे वाहन चालक, वाहन को तेज गति से तो नहीं चलाते है या वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग तो नहीं करते आदि बिन्दुओं पर फीडबैक लिया गया। स्कूल / शैक्षणिक संस्था बसों में सुरक्षा मानकों की पूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु इंदौर जिले में स्थित स्कूली वाहनों की आकस्मिक चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा।

शुद्ध होली- सुरक्षित इंदौर अभियान

गंदगी के बीच और बिना वैध अनुज्ञप्ति के गुलाब जामुन बनते पाए जाने पर फैक्ट्री मे खाद्य कारोबार कराया गया बंद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देशानुसार इंदौर जिले में मिलावटखोरों के विरूद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान के तहत कार्रवाई के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार होली त्यौहार के मद्देनज़र खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा तीन दल गठित कर सतत एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। अभियान के अंतर्गत आज बड़ी कार्रवाई करते हुए गंदगी के बीच और बिना वैध अनुज्ञप्ति के गुलाब जामुन बनते पाए जाने पर फैक्ट्री मे खाद्य कारोबार बंद कराया गया। पालदा स्थित सतगुरु फूड्स पर की गई इस कार्यवाही में लगभग 1600 किलोग्राम गुलाब जामुन जब्त किया गया। इसके अलावा तीन अलग-अलग क्षेत्रों में भी गठित दलों द्वारा कार्रवाई की गई।

अभियान में आज को खंडेलवाल कम्पाउण्ड, उद्योग नगर पालदा स्थित सतगुरु फूड्स का औचक निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर श्री विशाल उदासी खाद्य कारोबार का संचालन करते हुए पाए गए। परिसर मे खाद्य पदार्थ शाही गुलाब जामुन का निर्माण किया जाना पाया गया, परिसर मे निर्माण स्थल मे अत्यंत गंदगी पाई गई, रॉ मटेरियल बिना पैलेटस के अस्वच्छ वातावरण मे रखे पाए गए, पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड नहीं पाया गया, कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस नहीं पाए गए, कर्मचारीगण बिना कैप के कार्य करते पाए गए, साथ ही खाद्य पदार्थ निर्माण मे प्रयुक्त होने वाले पानी की जाँच रिपोर्ट भी नहीं पाई गई।

प्रतिष्ठान मे खाद्य पदार्थो के निर्माण हेतु वैध अनुज्ञप्ति नहीं पाई गई- मौके पर निर्माण किये जा रहे खाद्य पदार्थ शाही गुलाब जामुन के 800 ग्राम पैक एवं 1500 ग्राम पैक के कुल 02 नमूने लिए गए तथा लगभग 1600 किलोग्राम खाद्य सामग्री को जब्त किया गया।

प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबार कराया गया बंद- खाद्य पदार्थो के निर्माण स्थल में गंदगी पाये जाने के कारण तथा निर्माण हेतु वैध अनुज्ञप्ति न होने के कारण, आवश्यक सुधार होने तथा अन्य औपचारिकताएं पूर्ण होने तक प्रतिष्ठान मे खाद्य कारोबार तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया।

पिपलिया राव क्षेत्र में भी की गई कार्रवाई

नो-पार्किंग के विरुद्ध यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई, चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग से व्यवस्था हुई सुगम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस ने नो-पार्किंग के विरुद्ध प्रभावी अभियान शुरू किया है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात के चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन कर सतत भ्रमण और निगरानी की जा रही है।

गठित टीमों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम मार्गों, प्रमुख बाजार क्षेत्रों और यातायात दबाव वाले स्थानों पर अव्यवस्थित एवं अवैध पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है। इसी क्रम में आज चारों पेट्रोलिंग टीमों ने अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में निरीक्षण करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की।

यातायात जोन-1 में कालानी नगर से बड़ा गणपति और गौराकुंड तक, जोन-2 में मालवा मिल, पाटनीपुरा से भमोरी और रसोमा तक, जोन-3 में पलासिया से गीताभवन, व्हाइट चर्च, मनोरमा गंज और कृषि कॉलेज क्षेत्र तक, तथा जोन-4 में राजवाड़ा, सराफा, कपड़ा बाजार, खजूरी बाजार और भवरकुआ टॉवर चौराहा तक विशेष निगरानी रखी गई। इन क्षेत्रों में मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर खड़े वाहनों तथा सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

पेट्रोलिंग के दौरान पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन, सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक और पीओएस मशीन का उपयोग किया गया। पहले वाहन चालकों को समझाइश और चेतावनी दी गई, लेकिन नियमों का उल्लंघन जारी रखने वालों पर व्हील लॉक और क्रेन के माध्यम से चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही पीए सिस्टम के माध्यम से नागरिकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की गई।

यातायात पुलिस की निरंतर कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम हुई है और आम नागरिकों को राहत मिली है। इंदौर यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में सुव्यवस्थित और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर के वार्ड 57 में महापौर की जनसुनवाई, विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा क्षेत्र-3 के वार्ड 57 में जनता चौपाल आयोजित कर नागरिकों की समस्याएँ सुनीं और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। चौपाल से पूर्व उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, ज़ोनल अधिकारी और बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन कुछ स्थानों पर कार्यों की धीमी प्रगति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गति बढ़ाने के निर्देश दिए। जेल रोड, लोधी मोहल्ला, नारायण बाग, पंतवेद नगर और रामबाग क्षेत्र का दौरा करते हुए उन्होंने मेट्रो निर्माण से क्षतिग्रस्त सड़कों की प्राथमिकता से मरम्मत कराने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पानी जैसी मूलभूत जरूरतों पर दीर्घकालिक कार्य किए जा रहे हैं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक नागरिकों को मिलेगा।

चौपाल में नागरिकों ने ध्वनि प्रदूषण, मस्जिदों से तेज आवाज़, संकरी बेकलाइन के बार-बार चोक होने, चूहों की समस्या और स्ट्रीट डॉग्स की बढ़ती संख्या जैसे मुद्दे उठाए। महापौर ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण के संबंध में कलेक्टर से चर्चा हो चुकी है और जल्द ही ठोस कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संकरी गलियों का सर्वे कर अवरुद्ध लाइनों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए तथा ब्रिज में बने गैप को शीघ्र ठीक किया जाए। ट्रैफिक और अतिक्रमण की शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

नागरिकों ने ऑटो रिक्शाओं द्वारा मनमाना किराया वसूलने, लोखंडे पुल पर बढ़ते ट्रैफिक और पैदल चलने वालों की परेशानी, नलों के आसपास गंदगी से मच्छरों की समस्या तथा जलकर बिल के भुगतान से जुड़ी शिकायतें भी रखीं। महापौर ने सफाई अमले को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए और कहा कि नगर निगम पारदर्शी एवं प्रोत्साहन आधारित प्रणाली पर कार्य कर रहा है ताकि ईमानदारी से बिल भरने वालों को बढ़ावा दिया जा सके।

महापौर ने कहा कि इंदौर जनभागीदारी के लिए विश्वभर में जाना जाता है और यही शहर की स्वच्छता एवं विकास की सबसे बड़ी ताकत है। वार्ड 57 की इस जनता चौपाल में समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल करते हुए विकास कार्यों को और अधिक गति देने का आश्वासन दिया गया।

इंदौर संभाग में सभी त्यौहार आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग में आगामी सभी त्यौहार गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाएंगे तथा हर हाल में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। कानून व्यवस्था के संबंध में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और आईजी श्री अनुराग की संयुक्त अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक में दी गई। वीडियों कॉन्फ्रेंस बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इंदौर से बैठक में पुलिस आयुक्त श्री अनुराग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की अपर संचालक श्रीमती सपना अनुराग जैन, विकास आयुक्त श्री डी.एस. रणदा और उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी उपस्थित रहे।

बैठक में आईजी श्री अनुराग जैन ने संभाग की कानून व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में रमजान, भगोरिया, होली, रंगपंचमी, ईद आदि पर्व सभी समुदाय के सहयोग से परम्परानुसार मनाए जाएंगे। निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान संभाग में सौहार्दपूर्ण वातावरण, शांति एवं कानून व्यवस्था हर हाल में बनी रहे। आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखते हुए वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया जाए। साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी तथा अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा ?कि संभाग के सभी जिलों में जनजातीय समाज का मुख्य पर्व भगोरिया एक सप्ताह से अधिक समय तक हर्षोल्लास से मनाया जाता है। भगोरिया मेले को बाहरी प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में नागरिक आते है। हाट बाजारों में भीड़ उमड़ती है। अत~ महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए। संभाग के सभी जिलों में होली और रंगपंचमी पर भी धूम रहती है। होलिका दहन चिह्नित स्थानों पर किया जाए। शांति समिति की बैठक में ग्राम सुरक्षा समितियों का भी सहयोग लिया जाए। परम्परागत सड़क मार्गों तथा शांतिपूर्ण तरीके से ही फाग और गेर यात्रा निकाली जाए। सभी नागरिक मिल-जुल कर त्यौहार मनाए। किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। रमज़ान माह के दौरान मस्जिदों एवं बाजार क्षेत्रों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए त्यौहारों के दौरान प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे, ताकि इंदौर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था की परंपरा अक्षुण्ण बनी रहे।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि त्यौहार के दौरान वाहन चालक मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन नहीं चलाए। सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करें। टोल नाके पर सख्ती बढ़ाएं। डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि धार, बड़वानी, खरगोन और आलीराजपुर में सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत डूब प्रभावित क्षेत्रों के भू-धारकों को भूमि आवंटन की रजिस्ट्री की जाए। साथ ही संभाग के सभी जिलों में सीमांकन, नामांकन, बटवारे के साथ राजस्व प्रकरण के निराकरण में तेजी लाए। राजस्व वसूली समय सीमा में करें। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देश दिए कि संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर पात्र व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ मिले। हितग्राहियों के चयन के लिए ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम और नगर परिषदों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा का विरोध प्रदर्शन, कांग्रेस नेताओं के पुतले दहन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजवाड़ा क्षेत्र में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा कांग्रेस नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के पुतले जलाए गए। कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि भागीरथपुरा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से पूरा इंदौर आहत हुआ है और शहर एकजुट होकर पीड़ितों के साथ खड़ा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आपदा के समय संवेदनशीलता दिखाने के बजाय मौतों पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता लगातार प्रभावित क्षेत्र में मौजूद रहे और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी कई दिनों तक मौके पर डटे रहे, जबकि कांग्रेस नेताओं ने केवल बयानबाजी की।

मिश्रा ने कांग्रेस पर ऐतिहासिक घटनाओं को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भोपाल गैस कांड और 1984 के दंगों जैसी घटनाओं में पीड़ितों के साथ न्याय नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता इंदौर की स्वच्छता उपलब्धियों और नागरिकों की सहभागिता पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर लगातार आठवीं बार स्वच्छता में नंबर वन बना है, जो शहरवासियों, सफाई मित्रों और प्रशासन की मेहनत का परिणाम है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं के पुतलों को सड़क पर पटककर नारेबाजी की और बाद में पुतले दहन किए। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से इंदौर की छवि को धूमिल करने और स्वच्छता पुरस्कार को लेकर दिए गए बयानों पर सार्वजनिक माफी की मांग की। कार्यक्रम में शहर और भागीरथपुरा क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं।

इंदौर यातायात पुलिस की नो-पार्किंग के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा नो-पार्किंग के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में शहर के चारों जोन में विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य व्यस्त मार्गों, प्रमुख बाजारों और यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में अवैध व अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है।

20 फरवरी को चारों पेट्रोलिंग टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर यातायात की स्थिति का निरीक्षण किया और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। जोन-1 में एयरपोर्ट रोड से बड़ा गणपति होते हुए टोरी कॉर्नर गौराकुंड तक अभियान चलाया गया। जोन-2 में रेडिसन चौराहा, मालवा मिल, पाटनीपुरा से भमोरी और रसोमा तक सड़क के दोनों ओर निगरानी की गई। जोन-3 में एमजी रोड पर पलासिया से घंटाघर, हाईकोर्ट, 56 दुकान क्षेत्र, पलासिया से गीताभवन और व्हाइट चर्च तक कार्रवाई की गई। जोन-4 में भंवरकुआ से टॉवर चौराहा, राजवाड़ा, सराफा, मालगंज, जवाहर मार्ग, कपड़ा बाजार और खजूरी बाजार क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी गई।

पेट्रोलिंग के दौरान टीमों ने पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन, सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक और पीओएस मशीन की सहायता से अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर वाहन खड़े करने और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई की। पहले वाहन चालकों को समझाइश और चेतावनी दी गई, इसके बाद भी उल्लंघन जारी रहने पर व्हील लॉक और क्रेन के माध्यम से चालान किए गए।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र को बजट में मिली तेरह सड़कों की सौगात – मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्री राकेश सिंह के प्रति जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में सांवेर विधानसभा क्षेत्र सहित इंदौर जिले में लगभग 294 करोड़ रुपये लागत की 13 सड़कों की सौगात दी गई है। सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए बजट में इंदौर जिले में मुख्य रूप से 185 किलोमीटर लम्बाई की 13 सड़कें स्वीकृत हुई है, इनके निर्माण के लिए लगभग 294 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

मन्दसौर सीए ब्रांच का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व जीएसटी ट्रिब्यूनल पर सेमिनार सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 'जीएसटी के लिये बहुप्रतीक्षित अपीलेट ट्रिब्यूनल का गठन प्रारंभ हो गया है और उनमें अपील योग्य फैसलों के बारे में भी जानकारी प्रसारित हो चुकी है। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के नाते अब हमें यह अध्ययन करना होगा कि हमारे करदाताओं के विरुद्ध आरोपित किन पेनल्टी के लिये हम जीएसटी की अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपनी अपील प्रस्तुत कर सकते हैं। अपील किस ट्रिब्यूनल में दाखिल होगी, उसकी समय सीमा क्या होगी और वह किस पोर्टल पर करनी होगी, यह सारी जानकारी हमें होना जरूरी है।'

उक्त विचार मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा जीएसटी ट्रिब्यूनल पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए सीए नयन जैन ने व्यक्त किये।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दैनिक जीवन में उपयोग विषय पर संबोधित करते हुए सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई की चर्चा इस समय पूरे विश्व में हो रही है और हर कोई इसके प्रभाव व दुष्प्रभाव से घबराया हुआ है। यह एक कटु सत्य है कि एआई कभी भी मनुष्य की जगह नहीं ले सकता है। यह सिर्फ एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से मानव अपना कार्य सुगमता से कम समय में सम्पन्न कर सकता है। हमें इन्हीं तकनीकों में पारंगत होकर एआई के माध्यम से अपने कार्यों को संपादित करवाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि आज के सेमिनार के दोनों ही विषय अत्यंत ज्वलंत विषय हैं। जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के कार्यों के बारे में जानकारी हमें अपने क्लाइंट के खिलाफ पारित आदेशों के प्रति अपील कर उन्हें पेनल्टी में राहत दिलाने में मदद करेगी वहीं एआई के उपयोग से हम अपने व्यवसाय के नियमित कार्यों को अधिक क्षमता के साथ संपादित करने में सक्षम होंगे। एआई की वजह से निश्चित रूप से नौकरियां कम होंगी लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि हर नयी चीज कुछ अच्छा भी लेकर आती है। हम सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए यह सोचें कि एआई का उपयोग कर हम किस प्रकार से नये उद्यमी तैयार कर सकते हैं। ये नये उद्यमी ही हमें विश्व में भारत का परचम लहराने में सहयोगी सिद्ध होंगे। अतिथियों का स्वागत सीए विनय अग्रवाल, अर्पित नागर, रीतेश पारिख, आयुष जैन, गौरव गुप्ता, कमलेश पाटीदार, रचित जैन, सुबोध सिंहल, श्याम लालवानी, सुमित सोनी, योगेश गुप्ता, रंजना पाटीदार, रोहन सोमानी, अमन मेहता, योगेन्द्र जैन आदि ने किया। अतिथि परिचय सीए चेतन गुप्ता व सीए नितिन देवनानी ने दिया। संचालन सीए आशीष जैन ने किया। आभार सचिव सीए नितेश भदादा ने माना।

धुंधड़का ब्लॉक कांग्रेस द्वारा तीन अलग-अलग पुतले

भाजपा की डबल इंजन की सरकारें किसान विरोधी – सिसोदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस के आव्हान पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी धुंधड़का द्वारा भारत अमेरिका व्यापार समझौते एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर विधानसभा सदन में कैलाश विजयवर्गीय द्वारा अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में प्रदेश कांग्रेस सचिव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया की उपस्थिति में ब्लाक अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा के नेतृत्व में बड़वन फंटा पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री के तीन अलग अलग पुतले फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया गया। पुतले जलाने के दौरान अफजलपुर पुलिस और कांग्रेस जनों में खूब झुमा झटकी हुई, पर कांग्रेस जनों ने पुलिस को चकमा देकर तीन अलग अलग पुतले फूंक दिए।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता परशुराम सिसोदिया ने कहा कि सरकार ने न जाने किस दबाव में भारत अमेरिका व्यापार समझौता किया। इस ट्रेड डील के देश के किसानों का भारी नुकसान होना तय है। एक तरफ तो सरकार कहती है कि देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है और खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे और दूसरी तरफ ऐसे समझौते कर किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है। दूसरी तरफ विधानसभा सत्र के दौरान जब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार प्रश्न करते है कि इन्दौर में जहरीला पानी पीने से हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है तो सदन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर अमर्यादित टिप्पणी करते है। इस घमंड का जवाब आने वाले समय में प्रदेश की जनता देगी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए कांग्रेस सदन से लेकर सड़क पर पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया, ब्लॉक कांग्रेस गोपाल विश्वकर्मा, किशोर गोयल, मुकेश धाकड़, लक्ष्मण सिंह परिहार, सुरेश खाचरानिया, मनीष शर्मा, सलीम मंसूरी, सलामुद्दीन मंसूरी, कमलेश जैन, शांतिलाल धाकड़, राजकुमार धनगर, गणेशाराम परिहार, रामसुख बामनिया, मुकेश बामनिया, किशोर राठौड़, रामसुख बामनिया, शुभम राठौर, बालमुकुंद सूर्यवंशी, संदीप धनगर, अंसार मंसूरी, सीता रायकवार, रवि मकवाना सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

विवाह योजना : बेहपुर में 126 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत ग्राम बेहपुर में 126 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इनमें से 60 जोड़ों ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ प्राप्त किया। योजना के तहत लाभान्वित प्रत्येक वधू को राज्य सरकार द्वारा 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में साधु-संतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, नानालाल अटोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, वर-वधू के परिजन एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, जो समाज और परिवार की आधारशिला है। सामूहिक विवाह सम्मेलन आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सहयोग और संबल का प्रतीक हैं। सरकार गरीब परिवारों के साथ मित्र बनकर सदैव खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा के 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण है। विवाह दो परिवारों और दो संस्कारों का मिलन है। यह संस्कार हमारी संस्कृति एवं परंपरा की गरिमा को दर्शाता है। विवाह के माध्यम से कन्या अपने नए जीवन की शुरुआत करती है और माता-पिता का आशीर्वाद उसके जीवन को नई दिशा देता है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य बेटियों को सम्मानपूर्वक विदा करने के साथ-साथ उनके नए जीवन की शुरुआत को आर्थिक संबल प्रदान कर सशक्त आधार देना है। कार्यक्रम के अंत में सभी नवविवाहित जोड़ों को सुखद दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी गईं तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर एवं सुखमय जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया।

अभद्र टिप्पणी पर बवाल :-कांग्रेस ने फुका पुतला, तीन मंत्रियों की बर्खास्तगी की मांग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एवं सत्ता के मद में चूर मंत्रियों के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण -2 द्वारा भंवरासा चौराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया ।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में आयोजित इस आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया गया।इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस ग्रामीण -2 अध्यक्ष विनोद सिंह चौहान भंवरासा ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के मंत्री अपनी मर्यादा पूरी तरह भूल चुके हैं । चौहान ने विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर निशाना साधते हुए कहा कि दूषित जल से हुई मोतों के गंभीर मामले में लापरवाही कर अपना गैर जिम्मेदाराना सोच का परिचय दिया । ब्लॉक अध्यक्ष चौहान ने साथी ही सेना और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह और प्रदेश की जर्जर स्वास्थ्य व्यवस्था पर कफ सिरीफ कांड के लिए जिम्मेदार मंत्री राजेंद्र शुक्ल के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोला एवं इस्तीफे मांग की ।वर्तमान भाजपा सरकार जनता की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय अपने दागी मंत्रियों को बचाने की कोशिश में लगी हुई है ।इस विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम में कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष राकेश उपाध्याय,जनपद सदस्य प्रहलाद सिंह चौहान,विक्रम सिंह भंवरासा,काशीराम खेताखेड़ा,भवानी राम,सुरेश ,ग्राम पंचायत अध्यक्ष पदम सिंह ,लोकेश बुनकर,जितेंद्र सिंह,अशोक सेन भंवरासा सहीत कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाईन भरने की मिलेगी सुविधा, प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना के सफल क्रियान्वयन हेतु नगरीय निकायों के लिए नियुक्त चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय सभागार में संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 17 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2026 को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में नगर पालिका एवं नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा जनगणना लिपिकों ने सहभागिता की। जनगणना के नोडल अधिकारी श्री अभिषेक सिंह ठाकुर एवं श्री अशोक चौबे द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 की अवधि में संपन्न किया जाएगा। इसके लिए नगरीय एवं ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण कार्य के अंतर्गत प्रत्येक भवन का सर्वेक्षण किया जाएगा। सुपरवाइजर के निर्देशन में प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि सूचीकरण कार्य सावधानी एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए। इस बार जनगणना कार्य में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। आंकड़ों का संग्रह मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गणना ब्लॉक की सीमा को जीपीएस तकनीक से कैप्चर किया जाएगा। समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। जिला स्तर पर चार्ज स्तरीय एडमिन आईडी तैयार कर फिल्ड ट्रेनर्स एवं मास्टर ट्रेनर्स की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न चरणों की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

जीवन में व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए- भीमाशंकर शास्त्री

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भक्ति, सेवा और सदाचार तीनों के बिना जीवन अधूरा है। श्रीमद भागवत हमें अहंकार त्यागकर प्रभु की शरण में जाने की सीख देती हैं। मन, वाणी और कर्म से प्रभु स्मरण करें। व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए यह बात कथावाचक पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने कही। वे मनासा के गांव मालाहेड़ा में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन भक्त प्रह्लाद और भगवान की कृपा के प्रसंग पर बोल रहे थे उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है। समाज सेवा के बिना भक्ति अधूरी।कथा के दौरान शास्त्री ने उपस्थित भक्तों से कहा कि बच्चों में धर्म और नैतिकता का बीज बोएं। ताकि वे अपने सनातन धर्म को जान सके समझ सके। कथावाचक ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि नित्य भजन, सत्संग और दान को जीवन का हिस्सा बने कथा पंडाल हरे कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कथा के चौथे दिन पार्षद प्रतिनिधि और भाजपा नेता लालचंद राठौर, ने पहुंचकर श्रीमद भागवत के दर्शन कर कथावाचक से आशीर्वाद लिया।

महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रीना बोरासी का 22 को नीमच दौरा

संगठन सृजन से नए जिलाध्यक्ष के चयन पर होगी चर्चा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बोरासी सेंतिया आगामी 22 फरवरी, रविवार को नीमच प्रवास पर रहेंगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशा सांभर ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेंतिया दोपहर 12ः00 बजे नीमच पहुंचेंगी, जहाँ महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इस प्रवास का मुख्य उद्देश्य संगठन सृजन अभियान के माध्यम से महिला कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत और सक्रिय बनाना है।

अपने प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष बोरासी जिले की सभी कांग्रेस महिला जनप्रतिनिधियों, जिला पंचायत सदस्यों, नगर पालिका व परिषद की महिला पार्षदों और वरिष्ठ महिला नेत्रियों के साथ एक विशेष बैठक करेंगी। इस मुलाकात के दौरान वे संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करेंगी और महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने पर जोर देंगी। आशा सांभर ने बताया कि इस दौरे का एक बड़ा केंद्र बिंदु जिला महिला कांग्रेस के रिक्त पद को भरना है। प्रदेश अध्यक्ष नए जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष के नाम को लेकर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगी और उनकी राय जानकर योग्य व सक्रिय चेहरे को जिम्मेदारी सौंपने पर विचार-विमर्श करेंगी।

इस बैठक में आगामी चुनावों की तैयारी और संगठन की भावी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। आशा सांभर के अनुसार, रीना बोरासी का यह दौरा जिले में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने का काम करेगा। बैठक में उन जुझारू महिला कार्यकर्ताओं को आगे लाने की रणनीति बनाई जाएगी जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही हैं। इस आयोजन को लेकर नीमच जिले की महिला कांग्रेस और पार्टी के अन्य वर्गों में भारी उत्साह देखा जा रहा है और तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पूर्व मंत्री श्री सखलेच प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे

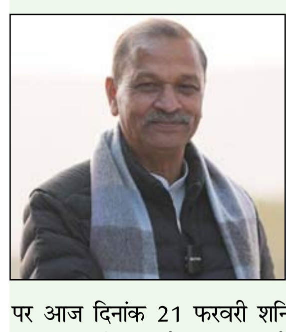

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कार्यालय नीमच द्वारा प्रेस को जारी की गई विज्ञप्ति मे बताया की मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन जी यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत विकास, समृद्धि ,ओर जनकल्याण को समर्पित बजट पर आज दिनांक 21 फरवरी शनिवार को दोपहर 4 बजे जिला भाजपा कार्यालय, नीमच तपोभूमि पर आयोजित पत्रकार वार्ता को प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं जावद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री ओम प्रकाश सखलेचा संबोधित करेंगे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी नीमच जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना जी खंडेलवाल ,नीमच विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री दिलीप सिंह जी परिहार एवं मनासा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारु भी उपस्थित रहेंगे।

मनासा के एक पीडित परिवार को चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) के तहत सावन में स्थित एक कुंए में मनासा निवासी गौरव पिता अनिल नागदा की डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिस पिता अनिल पिता सोहनलाल नागदा निवासी मनासा को चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है । तहसीलदार नीमच द्वारा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर स्वीकृति के लिए एसडीएम नीमच को प्रेषित किया किया गया था। तदानुसार मृतक के वारिस पिता को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है ।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तहत मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शा.आईटीआई नीमच में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत E-waste Handler जॉब रोल में 450 घंटे का निःशुल्क अल्पकालीन प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है । यह प्रशिखण सभी वर्गों के उम्मीदवारों के लिए रहेगा । एनसीडीसी द्वारा प्रशिक्षण उपरांत राष्ट्रीय स्तर का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा । इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक आईटीआई नीमच से सम्पर्क कर सकते है । अथवा फोन नंबर 8770469269, 9179788764 अथवा 9098001083 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है । आवदेक को न्यूनतम कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है । यह जानकारी आईटीआई नीमच के प्राचार्य श्री दिनेश परमार ने दी है।

किलकारी में मनाया सामाजिक न्याय दिवस

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व सामाजिक न्याय दिवस शुक्रवार को राज्य आनंद संस्थान के निर्देशानुसार महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित किलकारी नीमच के बच्चों के साथ मनाया गया। शुक्रवार को किलकारी मे विश्व सामाजिक न्याय दिवस का आयोजित किया गया और किलकारी मे निवासरत छः बच्चों को ड्रायफ्रूट्स के पेकेट वितरित किये गये। इस अवसर पर डॉ. राजेश पाटीदार, जिला महिला एवं बालविकास अधिकारी सुश्री अंकिता पण्डया, जिला आनंदम सहयोगी श्री ज्ञानवर्धन श्रीवास्तव एवं आनंदक भी उपस्थित थे। यह जानकारी सीआरपीएफ स्कूल के प्राचार्य ने दी हैं।

जिले में नरवाई जलाने की कोई घटना ना हो- श्री कलेश

सभी हार्वेस्टर संचालक एवं निकाय नरवाई का समुचित प्रबंधन करें– एडीएम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सीजन में जिले में नरवाई जलाने की कोई घटना ना हो। नरवाई का समुचित प्रबंधन सभी किसान एवं हार्वेस्टर संचालक अनिवार्य रूप से करें। यह बात एडीएम श्री बी.एस.कलेश ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में शुक्रवार को जिले एवं जिले के बाहर (पंजाब) से आए हार्वेस्टर संचालकों और कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में उप संचालक कृषि श्री पी.सी.पटेल, सहायक संचालक कृषि श्री रमेश चौहान श्री ओएस बर्मन व अन्य अधिकारी तथा हार्वेस्टर संचालक उपस्थित थे।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री कलेश ने कहा, कि वायु प्रदुषण की रोकथाम के लिए नरवाई जलाने पर प्रशासन द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। अतःकोई भी किसान नरवाई ना जलाए। हार्वेस्टर संचालक भी अपने हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर या नरवाई प्रबंधन के उपकरणों का उपयोग कर, फसलों के अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से किसानों को नरवाई नहीं जलाने के लिए जाकरूक किया जा रहा हैं। सभी हार्वेस्टर संचालक भी अपने हार्वेस्टर के साथ नरवाई प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में हार्वेस्टर संचालकों ने भी अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तहत अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम करने के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना तहत 19 अप्रैल 2026 अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह सम्मेलन जिला स्तर पर किसी एक या अधिक निकायों में आयोजित करने के निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा सभी जनपद सीईओ और सभी नगरीय निकायों के सीएमओं को दिए है।

इस योजनांतर्गत कन्या तथा कन्या के अभिभावक गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह करते हो, साथ ही उनका बी.पी.एल. पोर्टल पर सत्यापन अनिवार्य होगा। जिले में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह जोड़ो की न्यूनतम संख्या 11 एवं अधिकतम संख्या 200 रहेंगी । विवाह सम्मेलन में प्राप्त आवेदनों की जांच निकाय स्तर पर पात्र/अपात्र एवं समग्र पोर्टल पर वर/वधू की आधार ई-केवायसी करना अनिवार्य होगी । सामूहिक विवाह में सम्मिलित वधू को सहायता राशि 49 हजार रूपये डी.बी.टी. के माध्यम से कन्या के बैंक खाते में एवं शेष 6 हजार रूपये सामूहिक विवाह समारोह आयोजन के लिए आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय हेतु प्रदान किए जावेगे । सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन में जन-प्रतिनिधियों एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर समाज के सम्पन्न और सक्षम व्यक्तियों का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए है ।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह,निकाह योजना अन्तर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन की निर्धारित तिथि से 15 दिवस पूर्व आवेदन प्राप्त कर,कलेक्टर कार्यालय को अनिर्वाय रूप से अवगत कराने तथा सचिव,सहायक सचिव,वार्ड प्रभारियों को लक्ष्य निर्धारित कर सामूहिक विवाह सम्मेलन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करवाने और अधिकाधिक ताकि पात्र कन्याओं को लाभान्वित करवाने के निर्देश दिए है।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्ञान, चिंतन और विमर्श की गरिमामयी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतलाम में 20 फरवरी को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''वैश्वीकरण के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका''के आयोजन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों अश्विनी कुमार (डीआरएम), श्री प्रदीप खरे, डॉ. वाय.के. मिश्रा द्वारा मां वीणापाणि की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया, तत्पश्चात महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा मां शारदा की वंदना नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर समां सुरमई बना दिया। साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत नृत्य के माध्यम से किया।

उद्घाटन सत्र की अगली कड़ी में अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मंगलेश्वरी जोशी, डॉ मणिक डांगे, डॉ सुरेश चौहान, डॉ तबस्सुम पटेल, डॉ वी एस बामनिया, डॉ सुनीता श्रीमाल, डॉ विनोद जैन, डॉ बी वर्षा, डॉ मधु गुप्ता, डॉ रोशनी रावत, प्रो एस पी गिरी, प्रो सौरभ गुर्जर, श्रीमती बबीता सिसोदिया, सुश्री अमिता वर्मा, श्री नंदलाल पंवार द्वारा किया गया। तत्पश्चात आईक्यूएसी प्रभारी एवं संगोष्ठी समन्वयक डॉ मणिक डांगे ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल प्राचीन ग्रंथों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक समग्र और जीवनमूल्य-आधारित दृष्टि है।

सम्पादकीय

मैक्रों की पुकार, मोदी का संकेत: क्या बदलेगा डिजिटल भविष्य?

दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट का वह क्षण ऐतिहासिक बन गया। इमैनुएल मैक्रों मंच पर खड़े थे; आँखों में गहरी चिंता और स्वर में पिता-सी व्याकुलता। उन्होंने प्रधानमंत्री की ओर देख कहा– ÷मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, क्या आप इस क्लब में शामिल होंगे?÷ यह केवल कूटनीतिक प्रश्न नहीं, एक पिता की पुकार और सभ्यता की चेतावनी थी। उन्होंने पूछा, ÷जो चीजें वास्तविक जीवन में अपराध हैं, वे हमारे बच्चों के सामने क्यों परोसी जा रही हैं? फ्रांस पंद्रह वर्ष से कम आयु के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध की दिशा में बढ़ रहा है। स्पेन और ग्रीस भी आगे हैं। अब भारत को 'कोलिशन ऑफ विलिंग' में शामिल होने का आमंत्रण है– क्योंकि यह नियमों से बढ़कर हमारी सभ्यता का प्रश्न है।÷ उनके शब्द सभागार में गूँजे और असंख्य माता-पिताओं के हृदय तक पहुँचे। क्या हम अब भी मौन रहेंगे?

यह विमर्श अब केवल तकनीक की प्रगति का नहीं, हमारे बच्चों के मन और मर्म की सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। वैज्ञानिक शोध निरंतर चेतावनी दे रहे हैं कि सामाजिक माध्यम किशोरों में अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसे विचारों की प्रवृत्ति को बढ़ा रहे हैं। अनवरत स्क्रीन पर अंगुली चलाने की आदत ऐसी जकड़ बन चुकी है कि बच्चे नींद, अध्ययन और वास्तविक संबंधों से दूर होते जा रहे हैं। भारत में पचास करोड़ से अधिक युवा इंटरनेट से जुड़े हैं, जिनमें दस से चौदह वर्ष आयु के लाखों बच्चे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे मंचों पर घंटों डूबे रहते हैं। इमैनुएल मैक्रों इसे स्पष्ट शब्दों में डिजिटल अब्यूज कहते हैं। प्रश्न यह है– क्या हम इसे अब भी मात्र एक्सपोजर का नाम देकर टालते रहेंगे, या फिर समय की पुकार सुनकर अपने बच्चों को इस विषैली स्क्रीन-जगत से बचाने का साहस करेंगे?

भारत में यह बहस पुरानी है, पर अब निर्णायक हो चली है। आर्थिक सर्वेक्षण ने सोशल मीडिया पर आयु-आधारित सीमा की अनुशंसा की है। एआई इंपैक्ट समिट में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार मंचों से डीपफेक और आयु-नियंत्रण पर चर्चा कर रही है। आंध्र प्रदेश सोलह वर्ष से कम आयु के लिए प्रतिबंध का प्रस्ताव रख चुका है। पर प्रश्न है– क्या केवल कानून पर्याप्त होगा? फेक आईडी और वीपीएन को कैसे रोका जाएगा? ऑस्ट्रेलिया ने सोलह वर्ष से कम आयु पर प्रतिबंध लगाया, फिर भी चुनौतियाँ बनी रहीं। भारत जैसे विशाल देश में यह और कठिन होगा। फिर भी इमैनुएल मैक्रों का प्रश्न स्पष्ट है– क्या बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि होगी?

विरोधी पक्ष का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक समाधान नहीं है। बच्चे शिक्षा, संवाद और सृजन के लिए इन मंचों का उपयोग करते हैं; कठोर प्रतिबंध उन्हें छिपे और अनियंत्रित उपयोग की ओर धकेल सकता है। इसलिए सख्त अभिभावकीय निगरानी, प्रभावी आयु-सत्यापन और सुदृढ़ सामग्री छनन को अधिक संतुलित विकल्प माना जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत आँकड़ा संरक्षण अधिनियम अठारह वर्ष से कम आयु के लिए अभिभावकीय सहमति अनिवार्य करता है, किंतु प्रश्न शेष है– क्या यह पर्याप्त है? इमैनुएल मैक्रों का स्पष्ट मत है– जब तक मंच स्वयं जवाबदेही नहीं स्वीकारेंगे, तब तक बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी। फ्रांस में विधेयक आगे बढ़ चुका है। अब प्रश्न भारत के सामने है– क्या वह प्रतीक्षा करेगा?

यह प्रश्न केवल बच्चों तक सीमित नहीं, पूरे समाज का है। सोशल मीडिया ने सूचना को जनसुलभ बनाया, पर साथ ही घृणा, उत्पीड़न और मिथ्या समाचार का खुला बाजार भी खड़ा कर दिया। सबसे आसान लक्ष्य हमारे बच्चे बनते हैं। एआई के दौर में डीपफेक और एआई जेनरेटेड कंटेंट ने खतरा दोगुना कर दिया है। ग्रोक चैटबॉट से हजारों बच्चों की सेक्शुअलाइज्ड इमेज बनने की घटना ने दुनिया को झकझोर दिया। इमैनुएल मैक्रों ने स्पष्ट कहा, एआई सबके लिए होनी चाहिए, पर बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। नरेंद्र मोदी ने भी उत्तर दिया कि एआई को 'फैमिली-गाइडेड' और 'चाइल्ड-सेफ' बनाना अनिवार्य है। जब दोनों नेता एक स्वर में चेतावनी दे रहे हैं, तो प्रश्न यही है– क्या यह संकल्प केवल मंचीय शब्द बनकर रह जाएगा? अब निर्णय की घड़ी आ पहुँची है। भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है; हमारी डेमोग्राफी हमारी ताकत है, लेकिन अगर हम बच्चों को डिजिटल जहर से नहीं बचाएंगे, तो यह ताकत कमजोर पड़ सकती है। मैक्रों का प्रस्ताव एक सीधी चुनौती है– क्या हम यूरोप के साथ संतुलित और नियंत्रित मार्ग चुनेंगे, या अमेरिकी मॉडल (फ्रीडम फर्स्ट) को अपनाएंगे? जी-7 की अध्यक्षता इस समय फ्रांस के पास है और यह विषय उनकी प्राथमिकताओं में अग्रणी है। यदि भारत इस पहल से जुड़ता है, तो वैश्विक मानक तय हो सकते हैं। निस्संदेह, क्रियान्वयन सरल नहीं होगा। प्लेटफॉर्म्स प्रतिरोध करेंगे, उपयोगकर्ता असंतोष प्रकट करेंगे।

सहजयोग हमें हमारी महानता व अंतरंग शक्ति से परिचित कराता है

पूर्वकाल में अपने भारत देश में गुरुकुल परंपरा थी हर एक बालक को गुरु गृह जाकर अध्ययन करना पड़ता था। ये कहानी ऐसे ही एक गुरुकुल से संबंधित है। इस गुरुकुल मे कई बच्चों ने आठ वर्ष की आयु में उपनयन संस्कार कर, दाखिला लिया और अगले बारह वर्षो तक गुरुकुल में जाकर शस्त्र, शास्त्र और विज्ञान का अभ्यास किया। बारह वर्ष के बाद जब वे सभी स्नातक हो गये तो दीक्षांत समारोह में उनके गुरुदेव बोले ,आज आप सभी को हमें गुरुदक्षिणा देनी पड़ेगी। सभी शिष्य विनम्रतापूर्वक बोले ,अवश्य गुरुदेव ! बताईये आपको क्या गुरुदक्षिणा चाहिये? गुरुदेव ने कहा, आप सभी जंगल में जायें और मुझे ऐसे वृक्ष की पांच पत्तियां लाकर दीजिए ,जिसकी कोई उपयोगिता न हो । सभी शिष्यों ने कहा , इतने साल पढ़ाई की इतनी सी गुरुदक्षिणा! हम सभी अभी जाकर आपको गुरुदक्षिणा प्रदान करते हैं! सभी चारों दिशा में निकल पड़े, सूर्योदय से सूर्यास्त तक उन्होंने सारे जंगल में खोज की अपने पूरे जीवनशस्त्र, वनस्पति शास्त्र के अध्ययन का आश्रय लिया परंतु एक भी वृक्ष ऐसा नहीं था जिसकी कोई उपयोगिता ही न हो। म्लान चेहरे से अपने गुरुकुल में लौट आये। अपनी नजर नीची कर गुरुदेव से बोले, गुरुदेव हम गुरुदक्षिणा नहीं दे सकते परंतु गुरुदेव का मुखमंडल तेजस्वी प्रकाश से अलोड़ित हो रहा था। वे बोले, मेरे प्यारे शिष्यों मुझे तो मेरी गुरुदक्षिणा मिल गई। सभी शिष्यों ने एक साथ कहा, गुरुदेव कैसे ? आज आप जान गये की सारे जंगल में एक भी वनस्पति ऐसी नहीं है जिसकी कोई उपयोगिता ही न हो हर एक वनस्पति का सृष्टि के सृजन मे महत्वपूर्ण स्थान है और आप सभी तो दुर्लभ मानव शरीर ले के आये हैं तो आपकी कितनी महान भूमिका होगी।

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहज योग हमें हमारी महानता से, हमारे अंतरंग की शक्ति से परिचित कराता है। ये कहानी हम सभी के लिये और खासकर युवा शक्ति के लिये है। त्वम अमृतस्य पुत्रा÷ ऐसा शास्त्रों ने कहा है, अर्थात हमारे जीवन को अमृत जैसा मधुर और खुद को और समाज के लिए उपदेय बनाने के लिए आये है। श्री माताजी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग हमें हमारे अंदर की असीम शक्ति के रहस्य से परिचित करवा कर हमें ऊर्जावान बनाता है, सकारात्मक बनाता है। सहज योग में जब व्यक्ति को, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो, प्रथम चक्र मूलाधार उस कुंडलिनी शक्ति से प्लावित होता है। जब युवा शक्ति और सभी साधक नियमित ध्यान करते हैं तो निर्विचारिता का आनंद उन सभी के चित्त को सकारात्मक, आनंदमय और सबसे महत्वपूर्ण मंगलमय सुबुद्धि से भर देता है और इस आत्मसाक्षात्कार के प्रकाश में वे जान जाते हैं कि उन्हें कौन से क्षेत्र में जाना चाहिए। उन सभी की जागृत कुंडलिनी मां हर क्षण उन्हें संभालती है , उनका मार्गदर्शन करती है कुंडलिनी द्वारा प्रवाहित आनंद लहरियों का स्वाद चखने वाला युवा ,अपने आपसे प्यार करने लगता है ,निराशा के अंधेरों से बाहर आकर, अपने अंतर्जात गुणों का उपयोग कर, अपने लिए अच्छा रोजगार भी ढूंढ लेता है। सहज योग का अनुभव प्राप्त कर अपने जीवन को प्रकाशमय बनाईये।

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा

21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने,भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के क्रम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्कृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-%यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।% बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरुआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरुआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम क्रमशः %सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं%(वर्ष 2025 की थीम) तथा %बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज%(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरुआती शिक्षा(विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्वितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं,यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43त्र लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया% के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने %असुरक्षित% या %लुप्तप्राय% माना है। यह चिंताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में %अंग्रेजी% जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो, तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50त्र से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुई मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि,भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं,भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। देश की भाषाई विविधता उसकी सांस्कृतिक पहचान का आधार है, इसलिए सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य कर रही हैं।भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। नीति के अनुसार कक्षा 5 (और संभव हो तो कक्षा 8) तक बच्चों को मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने की सिफारिश की गई है, जिससे भाषाई पहचान मजबूत हो और सीखने की क्षमता बढ़े।भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल पहल भी की गई है।इस क्रम में भाषा संसाधन पोर्टल, ई-लाइब्रेरी और अनुवाद प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तथा अन्य संस्थाएँ स्थानीय भाषाओं में ई-सामग्री विकसित कर रही हैं। हमारे देश में भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए संस्थान भी हैं। मसलन,केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारत में भाषाओं के संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण और दस्तावेज़ीकरण का प्रमुख केंद्र है। यह लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर भी कार्य करता है।शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण(संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया आदि) के लिए अध्ययन और शोध के लिए विशेष विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जिससे उनकी परंपरा सुरक्षित रहे। इतना ही नहीं,सरकार ने राष्ट्रीय अनुवाद मिशन और भाषिणी जैसी परियोजनाएँ भी शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाना और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनका उपयोग बढ़ाना है।भाषिणी पहल के माध्यम से एआई आधारित भाषा उपकरण विकसित किए जा रहे हैं। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है, जिससे उन्हें प्रशासनिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संरक्षण मिलता है। यह भाषाई विविधता की रक्षा का एक मजबूत आधार है। आज भाषाओं को सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।लोकभाषाओं और बोलियों के उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, साहित्य सर्जन पुरस्कारों की भी व्यवस्था हमारे यहां है। अंत में यही कहूंगा कि मातृभाषा का संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत और सामाजिक कर्तव्य भी है। अपनी जड़ों को बचाए रखने के लिए हम अपने दैनिक जीवन में कई छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम उठा सकते हैं। मातृभाषा संरक्षण के लिए हमें यह चाहिए कि हम व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास करें। घर-परिवार में संवाद मातृभाषा में करें।अपनी भाषा की कहानियाँ, कविताएँ और लोकगीत पढ़ें और सुनें। बच्चों को उनकी मातृभाषा में लोरी और कहानियाँ सुनाने से भाषा के प्रति उनका भावनात्मक लगाव बढ़ता है। मातृभाषा में बोलने, लिखने, पढ़ने, सुनने में गर्व की अनुभूति महसूस करें, हीनभावना नहीं।सोशल मीडिया, ब्लॉग और विकिपीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स पर अपनी भाषा में सामग्री लिखें और साझा करें।अपनी भाषा के मूल शब्दों को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय शब्दावली का प्रयोग करें। इतना ही नहीं,स्थानीय त्योहारों, लोक कलाओं और सामुदायिक मिलन के कार्यक्रमों में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करें। इससे भाषा का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है।यूनेस्को के अनुसार, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पाने वाले बच्चों का मानसिक विकास अन्य बच्चों की तुलना में 30त्र अधिक प्रभावी होता है, इसलिए हम अपनी मातृभाषा को अधिकाधिक महत्व दें। मातृभाषा में अनुवाद कार्य,नई शिक्षा नीति जैसे कदमों का समर्थन करना (जो प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देते हैं) तथा अपनी भाषा(मातृभाषा) की पत्रिकाओं और समाचार पत्रों को सब्सक्राइब करें और उनमें योगदान दें।संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक विकास की नींव है। आज के दौर में यूनेस्को के अनुसार विश्व की लगभग 43त्र भाषाएँ विलुप्ति की कगार पर हैं, जो एक गंभीर चेतावनी है। अपनी भाषा को बचाने के लिए यह अनिवार्य है कि हम इसे हीन भावना के बजाय गर्व के साथ अपनाएँ, घर में बच्चों से इसी में संवाद करें और डिजिटल माध्यमों पर अपनी भाषा का उपयोग बढ़ाएँ। निष्कर्षतः, आधुनिक प्रगति के लिए दूसरी भाषाएँ सीखना ज़रूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा को जीवित रखना अपनी जड़ों और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के समान है।

-सुनील कुमार महला

सिविल सेवा परीक्षा में सही सुधार

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रशंसा की जानी चाहिए कि इस संस्था में समय के अनुसार लगातार सुधार और समीक्षा की प्रक्रिया जारी रहती है। 2026 में होने वाली सिविल सेवा परीक्षा में सुधार के कुछ कदम स्वागतयोग्य हैं। इनके अनुसार परीक्षा में अंतिम रूप से सफल होने पर यदि किसी उम्मीदवार को ग्रुप ए की कोई सेवा मिल जाती है, तो उसके बाद उसे आइएएस, आइएफएस जैसी अखिल भारतीय सेवाओं में जाने के लिए केवल एक अवसर और मिलेगा। उसके बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। यदि वह अपने विभाग से प्रसन्न नहीं है, तो त्यागपत्र देकर फिर से परीक्षा दे सकता है।

आइएएस और आइएफएस में एक बार चुने जाने के बाद फिर से परीक्षा में बैठने की इजाजत पहले की तरह अभी भी नहीं होगी। वैसे यहां लोकतांत्रिक ढंग से एक गुंजाइश छोड़ी गई है। लगभग 23 विभागों में पांच विभाग जैसे अगर दिल्ली में दानिक्स या पुडुचेरी पुलिस आदि में ग्रुप बी की सेवा मिलती है तब जरूर उसे एक से ज्यादा अवसर मिल सकते हैं। इस एक सुधार से कई स्तरों पर फायदा होगा। सबसे पहले नए उम्मीदवारों के लिए ज्यादा पद खाली मिलेंगे, वरना पहले से सफल उम्मीदवार बार-बार उन्हीं पदों पर चुने जाते रहे हैं। एक बार चुने जाने वालों के लिए भी एक और अवसर देने से वे लगातार 30-35 वर्ष तक परीक्षा में शामिल होने के लोभ से बच जाएंगे।

सभी सेवाओं के वेतनमान और सुविधाएं लगभग बराबर ही होती हैं। पहले इन विभागों को उम्मीदवार तो आवंटित हो जाते थे, लेकिन उनमें से कितने ज्वाइन करेंगे, कोई पता नहीं होता था। कुछ फिर से परीक्षा में बैठने के लिए लगातार दो-चार वर्षों तक कई बहाने जैसे मेडिकल, मां की बीमारी आदि बताकर कोशिश करते रहते थे। इससे उनकी वरिष्ठता और प्रशिक्षण की समस्याएं पैदा होती थीं। नतीजतन प्रशासनिक क्षमता में लगातार गिरावट आ रही थी। अब सभी विभाग बेहतर ढंग से काम कर पाएंगे। इससे सभी विभागों की ट्रेनिंग और क्षमता भी बेहतर होगी। इस सुधार के सामाजिक परिणाम भी अच्छे आएंगे। जब जाति विशेष के कारण किसी उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनंत छूट रहती है, तब तक उसके अंदर बार-बार परीक्षा देने की भूख भी कायम रहती है।

-प्रेमपाल शर्मा

अधिकार बनाम उत्तरदायित्व, समानुपातिक संतुलन की अनिवार्यता

वर्तमान समय में जब भारतीय लोकतंत्र अपनी मूल आत्मा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को सुदृढ़ बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है, तब अधिकार और उत्तरदायित्व के प्रश्न पर गंभीर चिंतन आवश्यक हो गया है। समाज का प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के विस्तार की आकांक्षा रखता है और यह स्वाभाविक भी है। किंतु जब अधिकारों की मांग कर्तव्यों की उपेक्षा के साथ बढ़ती है, तब सामाजिक संतुलन डगमगाने लगता है।

प्रख्यात चिंतक वाल्तेयर ने कहा था

जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी। यह कथन आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। अधिकार और उत्तरदायित्व वस्तुतः एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह संयम और जिम्मेदारी से संचालित हो; अन्यथा वह स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है।

भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला भारतीय संविधान ने मूल अधिकारों के माध्यम से नागरिकों को व्यापक स्वतंत्रता प्रदान की है। यह इस विचार पर आधारित था कि बहुसंख्यक जनमानस, जो शिक्षा और संसाधनों से वंचित रहा, उसे राज्य और समाज के अन्याय से सुरक्षा मिले। परंतु इसी संविधान ने नागरिकों के लिए मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया, ताकि अधिकारों का उपयोग संतुलित और राष्ट्रहितकारी हो।हाल के वर्षों में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करना नागरिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। किंतु इसके साथ यह दायित्व भी जुड़ता है कि हम अपनी निजता की रक्षा करते हुए दूसरों की स्वतंत्रता का अतिक्रमण न करें। अधिकार का विस्तार तभी सार्थक है जब वह सामाजिक मर्यादा और नैतिकता के दायरे में रहे। आधुनिकता के इस युग में नागरिक चेतना विकसित तो हुई है, परंतु नैतिक अनुशासन और कर्तव्य-बोध में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप अधिकारों की मांग तीव्र है, किंतु उत्तरदायित्व के निर्वहन में शिथिलता दिखाई देती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद और विधानसभाओं में इसलिए भेजती है कि वे लोककल्याण की भावना से शासन करें। किंतु जब जनप्रतिनिधि अधिकारों के मद में उत्तरदायित्व को विस्मृत कर देते हैं, तब शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और निरंकुशता पनपने लगती है।

प्राचीन भारतीय चिंतन में भी यह संतुलन स्पष्ट रूप से व्यक्त हुआ है। कौटिल्य ने अपने महान ग्रंथ अर्थशास्त्र में स्पष्ट लिखा है कि जिस देश की प्रजा कष्ट में हो, वहां शासक का वैभव नैतिक रूप से अनुचित है। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करना हमारा अधिकार है, परंतु उनका संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना हमारा दायित्व भी है। पर्यावरण संकट इसका ज्वलंत उदाहरण है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित धरती हमारा अधिकार हैं, किंतु प्रकृति की रक्षा करना हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। यदि हमने इस संतुलन को नहीं साधा, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। स्पष्ट है कि अधिकार और उत्तरदायित्व समानुपातिक हैं। वे सहयात्री हैं।एक के बिना दूसरा अधूरा है। लोकतंत्र की सफलता नागरिकों की सजगता, नैतिकता और जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। यदि हम अपने अधिकारों के प्रति जितने जागरूक हैं, उतने ही अपने कर्तव्यों के प्रति भी हो जाएं, तो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों का समन्वित विकास संभव है।राष्ट्रनिर्माण केवल शासन का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम अधिकारों की मांग करते समय अपने उत्तरदायित्वों का भी ईमानदारी से निर्वहन करें। यही लोकतंत्र की आत्मा है, यही राष्ट्रहित का पथ है।

-संजीव ठाकुर

बोझ बनी मुफ्त की संस्कृति

यह पहली बार नहीं, जब सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त की रेवड़ियां कही जाने वाली लोकलुभावन योजनाओं पर अपनी आपत्ति और चिंता प्रकट की हो। वह कई बार यह कह चुका है कि मुफ्त की संस्कृति आर्थिक विकास में बाधा है। गत दिवस भी उसने सरकारों की ओर से मुफ्त सुविधाएं और वस्तुएं देने के चलन पर यह प्रश्न किया कि यदि वे इसी तरह फ्री अनाज, बिजली, साइकिल आदि देते रहे तो विकास के लिए धन कहां से आएगा? उसने इस पर भी बल दिया कि सरकारें मुफ्त की सुविधाएं और सामग्री के स्थान पर रोजगार दें, लेकिन इसमें संदेह है कि इस पर ध्यान दिया जाएगा, क्योंकि राजनीतिक दल यह मान चुके हैं कि लोकलुभावन योजनाएं चुनाव जीतने की गारंटी बन गई हैं। इसका परिणाम यह है कि चुनाव आते ही सत्तारूढ़ दल और सत्ता की चाह रखने वाले विपक्षी दल मुफ्त की योजनाओं का पिटारा खोलने में जुट जाते हैं।

-धनंजय राजौरा

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम ÷बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़÷ है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है।

हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा।

-ललित गर्ग

गर्मी की हो रही थी आमद, मावठे ने घोली ठंडक

दो दिन में 11 डिग्री गिरा तापमान, फसलों को भी नुकसान की आशंका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले तीन दिनों से मौसम के मिजाज बार-बार बदल रहे हैं। कभी सर्दी बढ़ रही तो कभी गर्मी से पसीने छूट रहे। वहीं पिछले तीन दिनों से लोगों को सर्दी, गर्मी के साथ ही बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को भी नगर में दिनभर रूक-रूककर कभी तेज तो कभी रिमझीम बारिश होती रही। जिससे एक बार फिर मौसम में ठंडक घुल गई। वहीं नगरवासियों को गर्म कपड़ों के साथ-साथ छाते और रेनकोट का भी सहारा लेना पड़ा।

नगर में बेमौसम बारिश का सिलसिला मंगलवार से जारी है। बुधवार को भी देर रात बेमौसम बारिश ने नगरवासियों को परेशान किया था। तो गुरूवार रात में भी आसमान पर छाए बादल कुछ देर के लिए बरस पड़े थे। शुक्रवार को सुबह करीब 5.30 से शुरू हुई बारिश दिनभर कभी तेज तो कभी रूक-रूककर जारी रही। लगातार हो रही इस बारिश से नगर का तापमान भी दो दिन में 11 डिग्री नीचे आ गया है। बुधवार को नगर का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री दर्ज किया गया था जो शुक्रवार को 22.2 डिग्री तक आ पहुंचा। वहीं शुक्रवार को दिनभर में 7 एमएम वर्षा दर्ज की गई। जिससे मौसम पूरी तरह सर्द हो गया। इससे बचने के लिए लोगों को दिन में अलाव भी जलाना पड़े। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि शुक्रवार रात 9 से 10 के बीच में फिर बारिश की संभावना है। इसके बाद मौसम साफ होगा और शनिवार से मौसम साफ होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इसके बाद तापमान में बढ़ोत्तरी होगी और सर्दी से भी राहत मिलेगी।

फसलों को नुकसान की आशंका- पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के चलते खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कई जगह बारिश के चलते खेतों में खड़ी फसलें भी आड़ी हो गई। जिसमें नुकसान हुआ है। जिले के कई ग्रामों में किसान बारिश के चलते जब खेतों में पहुंचे तो फसलों की स्थिति को देखकर निराश हो गए। कृषि वैज्ञानिकों की माने तो अभी खेतों में फसल कटाई का काम चल रहा है और कई लोगों की फसलें खेतों में कटकर रखी हुई हैं जिनमें नुकसान हो सकता है। जिन्होंने अभी फसल नहीं काटी है उनमें नुकसान की संभावना कम है। वहीं पूरी तरह पक चुकी फसलों में भी नुकसान की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

कुछ देर हुई ओलावृष्टि- शुक्रवार को बारिश के साथ कई स्थानों पर ओलावृष्टि के भी समाचार मिले हैं। जिला मुख्यालय पर भी सुबह बारिश के साथ चने के आकार के ओले गिरे। हालांकि ओलावृष्टि कुछ देर ही हुई। इसके बाद दिनभर कभी तेज तो कभी रिमझीम वर्षा का दौर चलता रहा। जिससे मौसम पूरी तरह सर्द हो गया और लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा।

इनका कहना है- वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मौसम के ये हाल हैं। शुक्रवार रात को भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद बारिश की संभावना नहीं है। संभावना है शनिवार से मौसम पूरी तरह साफ होगा और तापमान में वृद्धि होगी।

- सत्येंद्र धनोतिया, मौसम विशेषज्ञ-शाजापुर

शांति समिति की बैठक 23 फरवरी को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों होली, धुलेण्डी, रंगपंचमी एवं ईद-उल-फितर, राम नवमी आदि त्यौहारों के अवसर पर आवश्यक विचार विमर्श एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं के लिए शांति समिति की बैठक का आयोजन 23 फरवरी को सायं 05.30 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में किया गया है।

आयुष विभाग द्वारा वृद्धाश्रम बसेरा देवास में योग शिविर का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी देवास ने बताया कि स्टेट एक्शन प्लान फॉर सीनियर सिटीजन अंतर्गत वरिष्ठजनों के लिये थीम नियमित योग शिविर अंतर्गत वृद्धाश्रम बसेरा देवास में 02 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। योग क्रिया के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के आसन प्राणायाम तथा स्वस्थ जीवन शैली हेतु विभिन्न प्रकार के सुझाव एवं आयुर्वेद संबंधी प्रश्न उत्तरीय एवं घरेलू औषधियों से इलाज के महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिविर में डॉ. संजीव पाटीदार, योग प्रशिक्षक श्री महेश यादव, योग सहायक कांतिलाल चौधरी ने वृद्धाश्रम में उपस्थित सभी को योग क्रिया करवाई। जिला आयुष अधिकारी डॉ ममता जूनवाल ने योग का दैनिक जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला एवं सभी से नियमित योग करने का अनुरोध किया। शिविर का संचालन डॉ. सुभाषचंद्र भार्गव एवं डॉ आलोक कुमार जैन ने किया। आयुष विभाग से लीलाधर पंवार, चतुर्भूज तिवारी, विनोद मालवीय, दिलीप पंवार, श्रीमती ओम कुंवर परमार, श्रीमती काजल जैन, श्रीमती संजू कुमरे, श्रीमती माया वारिया उपस्थित थी।

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए 1 अप्रैल तक करें आवेदन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी देवास ने बताया कि सेना में अग्निवीर (पुरुष) जीडी/क्लर्क/एसकेटी/टैनिक्ल/ट्रेडस्मैन 8वीं व 10वीं, महिला सेना पुलिस, स्थाई पद नर्सिंग असिस्टंट/नर्सिंग असिस्टंट वैट और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन 01 अप्रैल 2026 तक कर सकते है। अधिसूचना www.joinindi-army.nic.in पर उपलब्ध हैं। इस बार सेना भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है, इसमें 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा अग्निवीर के लिए और स्थाई पद के लिए 01 जुलाई 2004 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा आवेदन कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय महू में टेलिफोन नंबर 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने जॉइनिंग तिथि बढ़ाने के दिए निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग प्रक्रिया में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि बढ़ाने एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में व्यावहारिक लचीलापन देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा चयनित पर्यवेक्षकों को 23 फरवरी 2026 तक ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया था। किंतु विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों द्वारा अवगत कराया गया कि मेडिकल बोर्ड सप्ताह में केवल एक दिन संचालित होता है, जिससे निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण-पत्र प्राप्त करना कठिन हो रहा है। इस कारण अनेक चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग में व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अभ्यर्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि चयनित पर्यवेक्षकों की ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 तक बढ़ाई जाए। साथ ही, यदि कोई चयनित अभ्यर्थी ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ है, तो मध्यप्रदेश शासन के मूलभूत नियम 10 (ए) के प्रावधानों के अनुरूप ज्वाइनिंग के एक माह के भीतर स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की जाए। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य चयनित अभ्यर्थियों को अनावश्यक प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त कर पारदर्शी एवं संवेदनशील व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी जिलों में इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश तत्काल जारी किए जाएं, जिससे किसी भी पात्र अभ्यर्थी को तकनीकी कारणों से वंचित न होना पड़े।

तालाबंदी की तो 3 व्यवसाईयों ने जमा कराई 1 लाख 10 हजार बकाया राशि

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम राजस्व विभाग की टीम के द्वारा सख्ती से कुर्की व तालबंदी जैसी कार्रवाई निरंतर की जा रही है। कार्रवाई के दौरान 1 लाख 10 हजार की राशि वसुली भी की गई। इसी अन्तर्गत प्रतिदिन बकायादरों पर कुर्की की व दुकान तालाबंदी की कार्रवाई निगम की टीम कर रही है। शुक्रवार 20 फरवरी को निगम की टीम के द्वारा वार्ड 34 नयापुरा स्थित भवन पर संपत्तिकर राशि 31 हजार बकाया होने पर भवन स्वामि जमनाबाई उंकारलाल गुर्जर को सूचना पत्र दिये जाने के उपरांत भी राशि जमा नही करने पर भवन निर्मित दुकान पर कुर्की की कार्रवाई कर तालाबंदी की गई। निरंतर कार्रवाई के दौरान तुकोगंज रोड स्थित दुकानों टीम द्वारा तालाबंदी कार्रवाई के दौरान संबंधित 3 व्यवसाईयों से 1 लाख 10 हजार की बकाया संपत्तिकर की राशि जमा कराई। कार्रवाई मे निगम राजस्व उपनिरीक्षक संजय सांगते, सहायक राजस्व निरीक्षक हेमन्त धुरिया, शिरोमणीसिंह कुशवाह, गौतम तिवारी, सहायक सादिक खान, दिलीप तापकीर उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला 24 एवं 25 फरवरी को कृषि उपज मंडी देवास में आयोजित होगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषकों को कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी एवं खेती में लगने वाले कृषि आदान, उन्नत बीज, खाद, दवाई एवं नवीनतम कृषि उपकरण, उन्नत सिंचाई के साधन की जानकारी एक ही स्थान पर दिलाने के उद्देश्य से मिलेट मिशन एवं राष्ट्रीय तिलहन मिशन ऑन इडिबल आईल योजनान्तर्गत 24 एवं 25 फरवरी 2026 को कृषि उपज मंडी देवास प्रांगण क्रमांक-02 में प्रातः 11:30 से शाम 4:30 बजे तक जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया जा रहा है। कृषि विज्ञान मेले में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

हाईवे पर पिकअप ट्रक से टकराया, चालक-परिचालक फंसे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। सुनेरा थाना क्षेत्र के पनवाड़ी के पास सुबह करीब 7 बजे इंदौर से सब्जियां लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा पिकअप वाहन आगे चल रहे ट्रक से टकरा गया। हादसे में पिकअप के चालक और परिचालक केबिन में फंस गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वाहन में सवार चालक और परिचालक केबिन में फंस गए। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक बैजनाथ सिंह और पायलट महेंद्र सिंह जादौन ने बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद वाहन का दरवाजा खोलकर फंसे हुए चालक और परिचालक को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दुर्घटना में दोनों को मामूली चोटें आई हैं।

तालाबंदी की तो 3 व्यवसाईयों ने जमा कराई 1 लाख 10 हजार बकाया राशि

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम राजस्व विभाग की टीम के द्वारा सख्ती से कुर्की व तालबंदी जैसी कार्रवाई निरंतर की जा रही है। कार्रवाई के दौरान 1 लाख 10 हजार की राशि वसुली भी की गई। इसी अन्तर्गत प्रतिदिन बकायादरों पर कुर्की की व दुकान तालाबंदी की कार्रवाई निगम की टीम कर रही है। शुक्रवार 20 फरवरी को निगम की टीम के द्वारा वार्ड 34 नयापुरा स्थित भवन पर संपत्तिकर राशि 31 हजार बकाया होने पर भवन स्वामि जमनाबाई उंकारलाल गुर्जर को सूचना पत्र दिये जाने के उपरांत भी राशि जमा नही करने पर भवन निर्मित दुकान पर कुर्की की कार्रवाई कर तालाबंदी की गई। निरंतर कार्रवाई के दौरान तुकोगंज रोड स्थित दुकानों टीम द्वारा तालाबंदी कार्रवाई के दौरान संबंधित 3 व्यवसाईयों से 1 लाख 10 हजार की बकाया संपत्तिकर की राशि जमा कराई।

यूजीसी के विरोध में कल सड़क पर उतरेगी श्री राजपूत करणी सेना

प्रदेशाध्यक्ष राघव ने बैठक में किया आह्वान, हजारों लोग होंगे शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नई गाइडलाइंस के विरोध में रविवार को श्री राजपूत करणी सेना द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन करणी सेनिकों के साथ-साथ हजारों नगरवासी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर प्रशासन को आईना दिखाएंगे।

आंदोलन की सफलता के लिए श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेशायध्यक्ष अनुरागप्रतापसिंह राघव द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष श्री राघव ने कहा कि शिक्षा और नौकरी में चयन का आधार केवल योग्यता होनी चाहिए। किसी भी वर्ग को सिर्फ इसलिए पीछे नहीं छोड़ना चाहिए कि वह सवर्ण परिवार में जन्मा है। उन्होंने कहा कि हम समानता के समर्थक हैं। आरक्षण का आधार जाति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति होनी चाहिए। गरीब चाहे किसी भी वर्ग का हो उसे सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर इस बात का संकल्प लें कि हम अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से लड़ेंगे और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएंगे। बैठक में बड़ी संख्या में करणी सेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व जिलेवासी शामिल हुए।

मां राजराजेश्वरी मंदिर पर होगा एकत्रीकरण- श्री राजपूत करणी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्रसिंह जादौन के नेतृत्व में श्री राजपूत करणी सेना भी यूजीसी एक्ट और केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई नई गाईड लाईन के विरोध में मैदान में उतरेगी। केंद्र सरकार की यह नई गाईड लाईन सभी के लिए घातक है। जिस पर तत्काल रोक लगाना चाहिए। इसी को लेकर श्री राजपूत करणी सेना द्वारा 22 फरवरी को वृहद स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें करणी सैनिकों के अलावा नगरवासी भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस दिन प्रातः 10 बजे सभी लोग मां राजराजेश्वरी मंदिर पर एकत्रित होंगे। जहां से दोपहर 12 बजे रैली के रूप में सभी टंकी चौराहा स्थित पुरानी मंडी पहुंचेंगे जहां श्री राजपूत करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा सभा को संबोधित किया जाएगा।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत 22 हजार 239 आवेदनों का हुआ निराकरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार देवास जिले में ''संकल्प से समाधान'' अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय और जिला स्तर पर संचालित कर हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिया दिलाया जा रहा है। ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान के प्रथम चरण में घर-घर जाकर ग्राम स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी के गठित दल द्वारा आवेदन के एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 15 फरवरी तक आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर गठित समितियां घर-घर जाकर तथा शिविरों के माध्यम से आवेदन/शिकायतें एकत्रित की गई।

जिले में ''संकल्प से समाधान'' अभियान के तहत 12 जनवरी से 19 फरवरी तक कुल 43 हजार 593 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 22 हजार 239 आवेदनों का निराकरण किया गया। जिनमें श्रम विभाग के 7 हजार 525 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 3821 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के 7445 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 6445 आवेदनों का निराकरण किया गया। राजस्व विभाग के 6223 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 1069 आवेदनों का निराकरण किया गया।

काम आई सहज की शिक्षा, एमबीए की सर्वोच्च संस्था आईआईएम में हुआ ध्रुव सोनी का चयन

विद्यालय परिवार ने स्वागत कर दी शुभकामनाएं

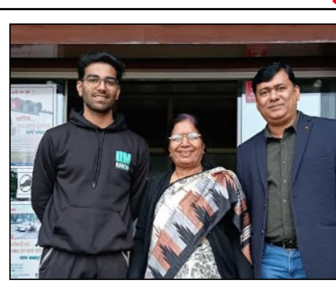

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एमबीए में देश की सर्वोच्च संस्था आईआईएम रांची में चयन होना कई लोगों का सपना होता है। नगर के ध्रुव पिता मनोज सोनी का भी यही सपना था जिसे उसने अपनी योग्यता और लगन से हासिल कर लिया। नर्सरी से कक्षा 12वी तक सहज में शिक्षा ग्रहण करने वाले ध्रुव का विद्यालय परिवार ने भी उसकी इस उपलब्धि पर स्वागत कर हर्ष व्यक्त किया।

दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वी तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद ध्रुव ने एमबीए की तैयारी शुरू कर दी। विद्यालय से निकलने के बाद भी वह निरंतर विद्यालय प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन, संचालिका आशा जैन के संपर्क में रहा, जिन्होंने ध्रुव की हर संभव मदद की और उसे मार्गदर्शन दिया। नतीजा यह हुआ कि हाल ही में चयनित विद्यार्थियों की जारी सूची में ध्रुव का भी नाम शामिल हुआ। इसके बाद उसने संस्था में एडमिशन सहित जरूरी प्रक्रिया पूरी की और शुक्रवार को वह अपने प्राचार्य व शिक्षक-शिक्षिकाओं से मिलने के लिए स्कूल पहुंचा जहां उसने अपनी इस उपलब्धि के बारे में विद्यालय प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन को बताया।

शिक्षक-शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन से मिली सफलता- ध्रुव ने चर्चा में बताया कि वह सामान्य परिवार से है और एमबीए करने का उसका बचपन से ही सपना था। उसने सहज पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के दौरान भी शिक्षक-शिक्षिकाओं खासकर अपने प्राचार्य को इसके बारे में बताया था। जिसके चलते डॉ. अंकुर जैन उसे स्कूल के अलावा एमबीए के लिए मार्गदर्शन देने के साथ-साथ पढ़ाई में उसकी मदद भी करते थे। जिसके परिणाम स्वरूप उसका चयन देश की सर्वोच्च एमबीए संस्था आईआईएम रांची में उसका चयन संभव हो पाया। शुक्रवार को विद्यालय प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन व संचालिका आशा जैन ने ध्रुव आशीर्वाद देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आयुष विभाग द्वारा वृद्धाश्रम बसेरा देवास में योग शिविर का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी देवास ने बताया कि स्टेट एक्शन प्लान फॉर सीनियर सिटीजन अंतर्गत वरिष्ठजनों के लिये थीम नियमित योग शिविर REGULAR YOGA WITH DEPARTMENT OF AYUSH अंतर्गत वृद्धाश्रम बसेरा देवास में 02 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। योग क्रिया के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के आसन प्राणायाम तथा स्वस्थ जीवन शैली हेतु विभिन्न प्रकार के सुझाव एवं आयुर्वेद संबंधी प्रश्न उत्तरीय एवं घरेलू औषधियों से इलाज के महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिविर में डॉ. संजीव पाटीदार, योग प्रशिक्षक श्री महेश यादव, योग सहायक श्री कांतिलाल चौधरी ने वृद्धाश्रम में उपस्थित सभी को योग क्रिया करवाई। जिला आयुष अधिकारी डॉ ममता जूनवाल ने योग का दैनिक जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला एवं सभी से नियमित योग करने का अनुरोध किया। शिविर का संचालन डॉ. सुभाषचंद्र भार्गव एवं डॉ आलोक कुमार जैन ने किया। आयुष विभाग से श्री लीलाधर पंवार, श्री चतुर्भूज तिवारी, श्री विनोद मालवीय, श्री दिलीप पंवार, श्रीमती ओम कुंवर परमार, श्रीमती काजल जैन, श्रीमती संजू कुमरे, श्रीमती माया वारिया उपस्थित थी।

बोर्ड परीक्षाओं की अधूरी तैयारी, टपकती छत के नीचे हल किया बोर्ड का पर्चा

शामावि पिपलिया गोपाल में परीक्षार्थियों को हुई परेशानी, गीली टाटपट्टी पर बैठकर दिया पेपर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग कितना सजग और सक्रिय है इसका उदाहरण शुक्रवार को देखने को मिला। जब परीक्षा केंद्र पर बच्चों को टपकती छत के नीचे बैठकर बोर्ड का पहला पेपर हल करना पड़ा। पानी गिरने के कारण वहां बिछाई गई टाटपट्टी भी भिग गई। जिसके चलते बच्चों को ठिठुरते हुए और भिगते हुए परीक्षा देना पड़ी।

जिले के ग्राम पिपलिया गोपाल स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 5वी और 8वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान छात्रों को टपकती छत के नीचे बैठना पड़ा। हिंदी का पहला पेपर दे रहे 144 विद्यार्थी टाटपट्टी पर बैठकर परीक्षा दे रहे थे, तभी बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण परीक्षा कक्ष की छत से पानी टपकने लगा, जिससे बच्चों को भीगते हुए परीक्षा देने को मजबूर होना पड़ा। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई और परीक्षा कक्ष में पानी भरने लगा। जिससे बचने के लिए परीक्षा कक्ष में बाल्टी और मग रखकर पानी को फैलने से रोकने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन इसके बावजूद टाटपट्टी और फर्श गीले हो गए थे। बच्चों के कपड़ों पर भी पानी टपक रहा था।

तीन दिन पहले भी बच्चों से साफ करवाए थे टॉयलेट- इसी विद्यालय में तीन दिन पहले भी हंगामा हुआ था। जब एक शिक्षक फजल ने बच्चों से बोर्ड परीक्षा का हवाला देकर वहां के टॉयलेट और बाथरूम साफ करवाए थे।

संकल्प से समाधान अभियान में प्रगति नहीं होने पर नगर परिषद बागली, पीपलरावां, लोहारदा, सतवास, करनावद सीएमओ की दो-दो वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, डीएफओ श्री अमित सिंह, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने ''संकल्प से समाधान अभियान'', रोजगार संबंधित योजनाओं, हितग्राहीमूलक योजनाओं में आने वाली बैंकों से संबंधित समस्याओं, बैंकों द्वारा विभिन्न योजनाओं में किये गये रिजेक्शन प्रकरणों, प्रधानमंत्री आवास योजना, एनआरएलएम अंतर्गत बैंक लिंकेज (सीसीएल), पीएम विश्वकर्मा, वन विभाग के लंबित निर्माण कार्यों, वनाधिकार तथा वन पट्टाधारी लोगों को शासकीय योजना का लाभ दिलाने एवं कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेन्स से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री सिंह ने संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा कर निर्देश दिये कि अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण कर शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाये। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा की और प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के तहत कलस्टर बनाकर शिविर लगाये एवं पात्र हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रमाण-पत्र दिलाया जाये।

संभागायुक्त और आईजी की संयुक्त अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग में आगामी सभी त्यौहार गौरवशाली परंपरा के अनुरूप आपसी सद्भाव, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाए जाने तथा कानून-व्यवस्था के मद्देनज़र संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और आईजी श्री अनुराग जैन की संयुक्त अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस बैठक में कलेक्टर नेहा मीना एवं अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी एवं अन्य उपस्थित रहे।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि त्यौहारों के दौरान वाहन चालक मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाएं तथा सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने हेलमेट उपयोग को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने तथा टोल नाकों पर हेलमेट एवं सीट बेल्ट की सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही नाकों पर प्रभावी चालानी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने संभाग के सभी जिलों में सीमांकन, नामांकन एवं बटवारे से संबंधित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने और राजस्व वसूली समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संकल्प से समाधान अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं का लाभ मिले। ग्राम पंचायत से लेकर नगर परिषद स्तर तक आयोजित शिविरों में योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा लोकसेवा गारंटी योजना के प्रकरणों का समय-सीमा में निपटारा किया जाए।

बैठक में आईजी श्री अनुराग जैन ने संभाग की कानून-व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी दिनों में रमजान, भगोरिया, होली, रंगपंचमी एवं ईद जैसे पर्व सभी समुदायों के सहयोग से परंपरानुसार मनाए जाएंगे। उन्होंने आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने के निर्देश दिए।

आईजी श्री जैन ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय समाज के प्रमुख पर्व भगोरिया के दौरान महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने होली एवं रंगपंचमी के अवसर पर होलिका दहन चिह्नित स्थानों पर ही करने, शांति समिति की बैठकों में ग्राम सुरक्षा समितियों का सहयोग लेने तथा परंपरागत मार्गों से शांतिपूर्ण ढंग से फाग एवं गेर यात्राएं निकालने के निर्देश दिए। रमज़ान माह के दौरान मस्जिदों एवं बाजार क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कल विधानसभा में कैलाश विजयवर्गीय द्वारा उमंग सिंघार के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए औकात क्या है तेरी जैसे शब्द कहना अत्यंत निंदनीय एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। विधानसभा जैसे गरिमामय सदन में इस प्रकार की भाषा लोकतंत्र और जनप्रतिनिधियों की मर्यादा को ठेस पहुँचाती है। इसी के विरोध में आज बदनावर में NSUI जिला अध्यक्ष कृष्णा पंवार ने कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया। यह विरोध लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा और महिलाओं के सम्मान की भावना से प्रेरित था। जनप्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखते हुए शालीन भाषा का उपयोग करना चाहिए। भाजपा सरकार के कई नेता पहले भी आदिवासियों का अपमान करते आ रहा है कई नेताओं ने आदिवासियों के ऊपर अत्याचार किया तो कुछ लोगों ने आदिवासियों युवक के ऊपर पेशाब करने जैसे शर्मसार घटना की थी, भाजपा के नेता अपने अहंकार में और सत्ता के नशे में चूर हो चुके हैं इसलिए वह आदिवासियों अपमान आए दिन करते हैं हम मांग करते हैं कि कैलाश विजयवर्गीय अपने वक्तव्य पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें तथा भविष्य में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा से परहेज करें। लोकतंत्र में असहमति हो सकती है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान स्वीकार्य नहीं है। यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अशोभनीय और अपमानजनक राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ है। पुतला जलाने में जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र डावर,सेलू भूरिया अरुण मालवीय, कुलदीप, कुलदीप मुनिया,राहुल वसुनिया, करण वसुनिया अजय मंगलिया,बंसीलाल परमार, जयदीप, ओम परमार,मयंक रील,अमित सिंघाड़, सोनू निनामा, करण भूरिया, सुनील डोडिया, आदि लोग मौजूद थे।

कलेक्टर ने सभी शासकीय स्कूलों में क्रियाशील शौचालयों की स्थिति की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय स्कूलों में क्रियाशील शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, जनजातीय कार्य, महिला एवं बाल विकास तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 164 शौचालयों के मरम्मतीकरण की स्वीकृति पूर्व में प्राप्त होकर कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं, जिनमें से कई स्थलों पर कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 92 नवीन शौचालयों के निर्माण कार्य जारी है। हाल ही में 81 नए शौचालयों की स्वीकृति भी प्राप्त हुई है, जिन पर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो और तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराया जाए।

कलेक्टर नेहा मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक स्कूल में कार्यशील शौचालय की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला स्तर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं डीपीसी को तथा ब्लॉक स्तर पर संबंधित बीईओ को नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके। उन्होंने सोमवार तक सभी स्कूलों से शौचालयों की स्थिति एवं उनकी क्रियाशीलता संबंधी प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बंजी बना को नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने जिला पंचायत में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेता प्रतिपक्ष गंधवानी विधायक उमंग सिंघार ने गंधवानी विधानसभा अन्तर्गत जिला पंचायत संबंधी जनहित के कार्यो एवं बेठकों हेतु जिला पंचायत धार में कांग्रेस के जिला संगठन मंत्री परितोषसिंह राठौर को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। बंजी बना उर्फ परितोष सिंह राठौर की नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहोल है। श्री राठौर की नियुक्ति पर कांग्रेस धार जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, अजय ठाकुर, सोहेल निसार एवं पूर्व नपं अध्यक्ष अभिषेक मोदी, ब्लॉक अध्यक्ष निरंजनसिंह पंवार, साजिद खान, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष घनश्यामसिंह डोडिया, सोनू जाट, विधायक प्रतिनिधि हेमंत मोदी, महेश पाटीदार, देवपालसिंह जादव, जयदीपसिंह उर्फ जम्मी बना, राजेश राठौड, नितीन सांखला, लियाकत पटेल, देवा अरड, अभय पाटीदार, कंवरलाल पाटीदार, विनोद शर्मा, महेन्द्र पंवार, तरुण जाट, घनश्याम जाट, निलेश चैधरी, पंकज लोधा, राकेश दरबार, विनोद बांकुरली, संजय भुरिया, सारिका बाफना एवं अजगर पटेल, विषणु मरगला, राधेश्यम मंडलोई, अतुल बाफना, लाखनसिंह सहीत कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने बधाई दी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंगजी सिंघार का आभार माना। जानकारी जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने दी।

महाराज श्री का जन्मोत्सव मनाया गया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री संघ के परम उपकारी गुरुदेव मालवविभूषण परम पूज्य आचार्य श्रीमद् विजय वीररत्न सूरीश्वर महाराज साहब का 74 वाँ जन्मदिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। आचार्य श्री वीररत्न जी महाराज साहब ने मालवा में लगभग 280 मंदिर उपाश्रयों का निर्माण जीर्णोद्धार करवाया है ।ऐसे संत विरले ही होते हैं जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जिन शासन के लिए समर्पित कर दिया हो। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री ने अपना पहला चातुर्मास एवं अंतिम चातुर्मास उन्हेल में ही किया था। इन्होंने कई तीर्थ में निर्माण जीर्णोद्धार करवाये, लेकिन उन्हेल जैन तीर्थ से उनका एक आत्मीय लगाव था।आचार्य श्री ने अपने स्वप्नलोक तीर्थ का शिवपुर मातमौर में भव्य निर्माण करवाया जो इनके उत्कृष्ट कार्यो में से एक है। आचार्य श्री का प्रथम गुरु मंदिर उन्हेल तीर्थ में ही बना है । इस अवसर पर गुरु मंदिर में सुबह 8 बजे से ही अष्टप्रकारी पूजा की गई। वाक्षेप पूजा,फूल पूजा,36 दीपक नैवेद्य, आरती एवं मुकुट की बोलियां बोली गई। आरती के पश्चात मावा मिश्री के लड्डू की प्रभावना की गई। प्रभावना के लाभार्थी श्री संघ अध्यक्ष सतीश कुमार चांदमल जी मारू थे। कार्यक्रम मे बडी संख्या मे उपस्थित गुरु भक्तों का आभार सतीश मारू ने माना।

बदनावर विधानसभा क्षेत्र की 5 सड़क बजट में शामिल, पीडब्ल्यूडी विभाग ने 93 करोड 57 लाख रुपए का किया प्रावधान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश सरकार के नवीन बजट में बदनावर विधानसभा के लिए सड़कों की सौगात मिली है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिह दत्तीगांव के विशेष प्रयासों के चलते बजट में क्षेत्र की 5 सड़कों को शामिल किया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी बजट प्रावधानों के अनुसार बदनावर विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित 5 निर्माण कार्यो के लिए कुल 93 करोड 57 लाख रुपए का प्रावधान शामिल किया गया है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा अपरीक्षित मद के रूप मे 5 सडको को शामिल किया गया है। सबसे लंबी 32 किलोमीटर की एसएच 52 लेबड़ नयागांव फोरलेन कानवन फाटे से भैंसोला तक 32 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 72 करोड 80 लाख रुपए का प्रावधान शामिल किया है।

इसके अलावा पिपलिया मनासा मार्ग 3.10 किलोमीटर 6.20 करोड़, मुलथान पहुंच मर्ग .60 किमी 1.50 करोड़, संदला पीपलीपाडा मार्ग 2 किलोमीटर को भी बजट में शामिल किया गया है। यह मार्ग 4 करोड़ लॉगत से तैयार होगा। इसके अलावा विभाग द्वारा लेबड़ नयागांव फोरलेन स्थित दत्तीगारा फाटे पर दीर्घ परिशोधन कार्य के लिए 9.07 करोड का प्रावधान शामिल किया है। इन कार्यो से क्षेत्र की जनता को सुगम यातायात सुविधा का लाभ मिलेगा और विकास को नई गति प्राप्त होगी। सडको की सौगात मिलने पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार व सुनील मोदी, जिला पंचायत सदस्य विक्रम पटेल व कुलदीप सिंह पिपलीपाडा, भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी, मण्डल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, संजय सिह राठौर, गोंविद रघुवंशी, सन्तोष ढोलकिया, दिलीपसिंह सोलंकी व आशीष जैन आदि ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेशसिंह का आभार माना। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक संपन्न, कलेक्टर ने दिए 100% सैचुरेशन के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न विभागीय संकेतकों की बिंदुवार एवं विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के चार प्रमुख संकेतकों की समीक्षा की गई, जिनमें 6 माह से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को नियमित अनुपूरक पोषण प्राप्त करने वाले बच्चों का प्रतिशत, आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की मापन दक्षता, क्रियाशील शौचालय युक्त आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रतिशत तथा पेयजल सुविधा युक्त क्रियाशील आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रतिशत शामिल हैं।

कलेक्टर ने समस्त सीडीपीओ को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में इन सभी संकेतकों में 100त्न सैचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए वास्तविक स्थिति के आधार पर पोर्टल पर सही एवं अद्यतन जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय उपलब्ध नहीं हैं, वहां पंचायत मद एवं अन्य उपलब्ध वित्तीय स्रोतों के माध्यम से शीघ्र शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया। स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत पर्याप्त बालिका शौचालय सुविधा युक्त विद्यालयों के प्रतिशत संकेतक की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं डीपीसी को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित कर सतत् रूप से शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने हेतु कार्य करें। विद्यालयों में बालिका शौचालयों की वास्तविक एवं भौतिक स्थिति का सत्यापन कर पोर्टल पर तथ्यात्मक एवं अद्यतन जानकारी दर्ज करने तथा किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में गोवंश पशुओं के एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण प्रतिशत की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को अधिकतम गोवंश का टीकाकरण सुनिश्चित कर लक्ष्य की शीघ्र प्राप्ति करने के निर्देश दिए। टीकाकरण की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। रामा, राणापुर एवं थांदला विकासखण्डों में अपेक्षाकृत कम प्रगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को आगामी 10 दिवसों में प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए गए, अन्यथा कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने की चेतावनी दी गई।

नगर कांग्रेस व ब्लाक कांग्रेस ने भी धन किया विजयवर्गीय का पुतला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।नगर कांग्रेस व ब्लाक कांग्रेस द्वारा आज बस स्टैंड पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन किया गया।

कल विधानसभा में बजट सत्र के दौरान इंदौर के भागीरथपुर में दूषित जल से हुई मौतो के मामले को लेकर चर्चा करने के लिए समय की मांग कर रहे थे। तभी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना आपा खो दिया व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर अभद्र व्यवहार किया। जिसके विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस व जिला कांग्रेस के आह्वान पर नगर कांग्रेस व ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओ द्वारा बदनावर बस स्टैंड पर मंत्री कैलाश विजयवर्गी का पुतला दहन कर इस्तीफे की मांग की।

इस मौके पर ब्लांक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजनसिंह पंवार नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती जिला संगठन महासचिव परितोष सिंह राठौड़, पूर्व नपं अभिषेक टल्ला मोदी, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, संदीप महेश्वरी,निर्मल वर्मा,विनोद शर्मा, मनीष बोकाडिया, अतुल बाफना,सजीद खान, जिला युवा कांग्रेस महासचिव यशवर्धन सिंह पंवार, सुरेश चंद द्विवेदी, मुख्तियार अली, दिग्विजय सिंह चुंडावत, उमेश पाटीदार,महेश मुकाती,भेरूलाल वसुनिया,अक्षत चोपड़ा, संदीप चौधरी,शंभू बारीक, सुनील जाट, पहलाद भाई सरपंच, मुशी भाई, सोनू डोडिया, सुरेश माली, गोपाल पटेल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। उपरोक्त जानकारी विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता द्वारा दी गई।

दो कारो की आपस में भिड़ंत में एक की मौत, एक दर्जन के करीब घायल

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के एन एच-552जी पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। आमला के समीप दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बच्चे भी शामिल हैं और एक घायल की हालत नाजुक होने पर उसे उज्जैन रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओमनी कार आगर से सोयत की ओर जा रही थी, जिसमें जया (25), मंजू (40), प्रेमबाई (35), सुनीता (40), देव (8), कल्लो, रमेश, सपना, लविश और पूजा दांगी सवार थे। इनमें से अधिकांश महिलाएं सिलाई सीखने आगर आई थीं और वापस सोयत लौट रही थीं। हादसे में सपना की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर इको कार में सवार मीना भावसार, दीपिका गुजराती, श्रेयांसी गुजराती और अथर्व नलखेड़ा स्थित बगलामुखी माता मंदिर के दर्शन कर देवास जा रहे थे। आमला के समीप दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही एस एस डी ओ पी आगर मोतीलाल कुशवाह सहित कोतवाली थाना पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया।

अर्चना चिटनिस की पहल से बुरहानपुर को औद्योगिक विकास की बड़ी सौगात, लोधीपुरा उद्योग नगर के लिए 1.95 करोड़ रुपए स्वीकृत

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) के सतत प्रयासों का बड़ा परिणाम सामने आया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लोधीपुरा स्थित उद्योग नगर में सड़क, नाली एवं अन्य आधारभूत विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ 95 लाख 40 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह स्वीकृति मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित, भोपाल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रदान की गई है। यह स्वीकृति बुरहानपुर जिले के औद्योगिक अधोसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे उद्योग नगर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार होगा और उद्योगों को सुगम वातावरण प्राप्त होगा। स्वीकृति पर श्रीमती चिटनिस ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोधीपुरा उद्योग नगर को मिलेगा आधुनिक औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर- विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस लंबे समय से लोधीपुरा उद्योग नगर के समग्र विकास को लेकर सक्रिय रूप से प्रयासरत रही हैं। उद्योग नगर क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, औद्योगिक भूखंडों के विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के अभाव को देखते हुए उन्होंने शासन स्तर पर निरंतर प्रस्ताव प्रस्तुत किए और उच्च स्तर पर संवाद स्थापित किया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप शासन द्वारा यह बड़ी वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि से उद्योग नगर में नई सड़कों का निर्माण, नालियों का निर्माण, जल निकासी प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, औद्योगिक परिसर विकास, भूखंडों के समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

उद्योगों को मिलेगा अनुकूल वातावरण, निवेश को बढ़ावा- लोधीपुरा उद्योग नगर बुरहानपुर जिले का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में लघु एवं मध्यम उद्योग संचालित हैं। सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास से उद्योगों को सुचारु संचालन में सुविधा मिलेगी, परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी और उद्योगों की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। आधुनिक अधोसंरचना के विकास से उद्योगों का विस्तार होगा और जिले में औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी। लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं अप्रत्यक्ष रूप से व्यापार, परिवहन, सेवा क्षेत्र और आपूर्ति श्रृंखला में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। औद्योगिक विकास से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और बुरहानपुर को औद्योगिक केंद्र के रूप में नई पहचान मिलेगी।

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बताया कि स्वीकृत विकास कार्यों का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित, भोपाल द्वारा किया जाएगा। निर्माण एजेंसियों द्वारा कार्य की प्रगति और व्यय का विवरण नियमित रूप से प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उद्योगों और क्षेत्रवासियों को शीघ्र लाभ मिल सके।

विधायक श्रीमती चिटनिस ने कहा कि लोधीपुरा स्थित उद्योग नगर में स्वीकृत राशि उद्योगों को नई ऊर्जा देगी, निवेश को बढ़ावा देगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। बुरहानपुर को औद्योगिक विकास का मजबूत केंद्र बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विकास की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।

बुरहानपुर विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम- यह स्वीकृति बुरहानपुर जिले के औद्योगिक अधोसंरचना विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। श्रीमती अर्चना चिटनिस के नेतृत्व में बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों की नई श्रृंखला प्रारंभ हो रही है और शासन की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों, उद्योगपतियों और श्रमिकों तक पहुंचाया जा रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान - द्वितीय चरण अंतर्गत विभिन्न क्लस्टरों में शिविर आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक संचालित अभियान के तहत कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों के क्लस्टरों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

क्लस्टर बेकल्दा, जनपद पंचायत पेटलावद में आयोजित शिविर का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा द्वारा किया गया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी प्रदान की तथा प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसी क्रम में क्लस्टर भूरीमाटी, जनपद पंचायत राणापुर में आयोजित शिविर का निरीक्षण जनपद सीईओ राणापुर एवं नायब तहसीलदार राणापुर द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा प्राप्त आवेदनों पर त्वरित समाधान की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानाचार्य शासकीय धन्वन्तरी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/नीलामी सूचना/स्टोर/2026/435 उज्जैन दिनांक 20/02/2026

अल्प अवधि निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय मंगलनाथ रोड़, उज्जैन में पुराने शासकीय बालक छात्रावास भवन को डिस्मेंटल किए जाने की नीलामी (डिसमेंटल पश्चात् सामग्री हटाकर भूमि समतलीकरण कार्य) हेतु इच्छुक निविदाकारों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 02/03/2026 को दोपहर 12.00 बजे स्थानीय महाविद्यालय मंगलनाथ मार्ग, उज्जैन के खुले मैदान में माननीय संभागायुक्त महोदय द्वारा निर्दिष्ट गठित समिति एवं समस्त निविदाकारों की उपस्थिति में नीलामी की कार्यवाही संपादित की जावेगी।

क्र.	कार्य का विवरण	पुराने शासकीय भवन की ऑफसेट वेल्यू की राशि (रूपये)	धरोहर राशि (रूपये)	नीलामी की प्रक्रिया का समय
1.	महाविद्यालय में पुराने बालक छात्रावास भवन को डिसमेंटल कर भूमि का समतलीकरण	1,00,000/- अक्षरी -एक लाख रू. मात्र	25,000/- अक्षरी -पच्चीस हजार रू. मात्र	02/03/2026 को दोपहर 12:00 बजे

निविदा प्रपत्र विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 07 दिवस में कार्यालयीन समय पर प्रातः 10 बजे से सायं 05:00 बजे तक स्टोर कक्ष से विस्तृत जानकारी एवं नियमशर्तें निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त कर प्राप्त कर सकते है तथा भरी हुई निविदा अनिवार्य रूप से दिनांक 28.02.2026 को सायं 5:00 बजे तक जमा करनी होगी।

डॉ. जे.पी. चौरसिया, प्रधानाचार्य , शास. धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.) मो. नं. 9893169434

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांक: सम्पत्तिकर/2026/ उज्जैन, दिनांक : 20.02.2026

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
03	23	15	60/1श्रीपाल मार्ग	श्री कृष्णा वल्लभ पांडिया	श्री संतोष पांडिया	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	32	116	47/3 खुदरीराम बॉस मार्ग	श्री अब्दुल हामिद पिता बाबु अब्दुल रहमान	1.मोहम्मद इब्राहीम पिता स्व.अब्दुल हामिद, 2.नाजमीन कुरैशी पति वासिम कुरैशी, 3.एमन बी कुरैशी पति मोहमद कुरैशी,	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	117	19 चौबीस खम्बा मार्ग	श्री दिलीप गर्ग पिता बंशीलाल व आदि	श्री श्याम लाल पिता श्री कन्हैया लाल जी जायसवाल	विक्रय पत्र
03	33	118	15 चौबीस खम्बा मार्ग	श्री कमलेश पिता प्रेम चाँद चावरे	श्री श्याम लाल पिता श्री कन्हैया लाल जी जायसवाल	विक्रय पत्र
03	28	119	60 तिलक मार्ग गली 02 पथ 02	मुश्ताक हुसेन पिता हाजी मोहम्मद इसहाक	श्री परवेज हुसेन नागोरी	विक्रय पत्र
03	24	120	103/A/1 व 103/A/2 तिलक मार्ग	श्री मति सविता श्री वंशीधर उपाध्या	श्री अभिषेक पिता अशोक सोनी	विक्रय पत्र
03	32	121	72 महाकाल मार्ग	श्री रसीद खान पिता हम्मिद उल्लाह खान	श्री अमनजहां पिता अहमद मंसूरी	विक्रय पत्र
03	32	122	28/1 जवाहर मार्ग	श्री मति सतुपा बाई पति बिहारी लाल जी	श्री आजाद तरकस	विक्रय पत्र
03	33	123	09 चौबीस खम्बा मार्ग गली 06	श्रीमती आशा बाई पति ओमप्रकाश गुप्ता	श्री प्रेम पिता स्व. ओमप्रकाश गुप्ता	दान पत्र
03	33	124	50 जयसिंह पूरा मार्ग	1.श्री रामचंद्र 2.बसंतीलाल पिता जगरनाथ जी	जगदीश शर्मा पिता विनायक शर्मा	विक्रय पत्र
03	23	125	90/2 दादाभाई नोरोजी मार्ग गली 06	श्री हुकुमचंद पिता श्री भेरुलाल जी	श्री मति मीना सावन पति स्व.हुकुमचंद्र , श्रीमती ज्योति राठोर पति मुन्नालाल, श्रीमती रेखा राठोर पति ओमप्रकाश	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	28	126	39/1 सुभाष मार्ग	श्री मति रजनी पति मुन्ना लाल जी	श्री मति रजनी पति मुन्ना लाल जी	विक्रय पत्र
03	24	127	47 दादाभाई नोरोजी मार्ग	श्री अ.माजिद पिता गुल मोहम्मद	श्री असीर खान पिता श्री अब्दुल माजिद	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	24	128	100/4/1 लक्ष्मी बाई मार्ग	श्रीमती द्रोपती बाई पति हरिराम जी	1.श्री कमल किशोर वाधवानी 2.श्री जय वाधवानी 3.अनिल कुमार वाधवानी 4.दिलीप वाधवानी 5.प्रमोद वाधवानी 6.अंशिता तलरेजा	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	24	129	100/3 लक्ष्मी बाई मार्ग	श्रीमती द्रोपती बाई पति हरिराम जी	1.श्री कमल किशोर वाधवानी 2.श्री जय वाधवानी 3.अनिल कुमार वाधवानी 4.दिलीप वाधवानी 5.प्रमोद वाधवानी 6.अंशिता तलरेजा	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	31	130	30 महाकाल अक्रम गली 07	श्रीमती नर्मदा बाई पति सत्यनारायण जी	1- नर्मदा बाई रूपनारायण 2- राहुल सिसोदिया, 3- कमल सिसोदिया भारत सिसोदिया	हक तियाग पत्र
03	28	131	02 का भाग सुभाष मार्ग पथ क्र 1	श्री पारस मल पिता माणकलाल जी	शारदा ग्रैंड 1- गौरव ठाकुर, 2- मोनिका अहूजा 3- विनोद सौंतानी	विक्रय पत्र
03	31	132	98 महाकाल मार्ग गली.7	श्री जमनालाल पिता चेना दस जी	1.इंद्रा बाई पति जमनालाल 2.मोहन लाल 3.पवन कुमार 4.ज्योति पति धर्मेन्द्र 5.रामसवरूप 6.मीना शोभाकर	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	29	133	14 का भाग अहिल्या बाई मार्ग पर गली 03	काबिज जुबेद बी पति अब्दुल लतीफ़ 2.मो. शब्बीर व आदि	श्री नफीस शिख पति अब्दुल रहीम	दान पत्र
03	29	134	14 का भाग अहिल्या बाई मार्ग पर गली 03	अ.रहीम पिता इब्राहीम ,जुबेदा बी पति अ.लतीफ़	श्रीमती सलमा बी पति मो निसार	दान पत्र
03	29	135	14 का भाग अहिल्या बाई मार्ग पर गली 03	अ.रहीम पिता इब्राहीम ,जुबेदा बी पति अ.लतीफ़	श्री राईस ऊड़ता अब्दुल रहीम	दान पत्र
03	31	136	14 का भाग अहिल्या बाई मार्ग पर गली 03	श्री मति जुबेद बी पति अब्दुल लतीफ़	मोहम्मद शबीर पिता स्व.श्री अब्दुल लतीफ़	वसीयत नामा शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
03	31	137	21/5 का भाग महाकाल मार्ग	काबिज श्री शौकत अली पिता मुमताज अली	श्रीमति फिरदोस बी पति मो.हनीफ मंसूरी श्री आवेश पिता हनीफ मंसुरी	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
06	48	342	भूमि/भूखण्ड 127 अहिल्या नगर	सपना पति सुनील ढीन्गरा	सुरभि जैन पति मयंक जैन	विक्रय पत्र
06	48	343	भूमि/भूखण्ड 126 जनकपुरी	सुनील कुमार पिता केवलकृष्ण	दीपिका पति अर्पित जैन	विक्रय पत्र
06	54	344	भूमि/भूखण्ड 206 आर के ड्रीम्स	खुशबु पति हितेश गुप्ता	अपर्णा सिंह पति देवेन्द्र सिंह	विक्रय पत्र
06	35	345	भूमि/भूखण्ड 1/1 का भाग यंत्रमहल मार्ग	प्रवीण पिता कैलाशचन्द्र	दीपिका पति मुकेश शर्मा	विक्रय पत्र
06	54	346	भूमि/भूखण्ड 28 आर के ड्रीम्स	आर के डेवलपर्स	मनीषा पति संदीप बिंदल	विक्रय पत्र
06	54	347	भूमि/भूखण्ड 13 अमरीश नगर	कमल कुमार पिता मोहनलाल	अंकिता पति निखिल शर्मा	विक्रय पत्र
06	54	348	भूमि/भूखण्ड 27 आर के ड्रीम्स	आर के डेवलपर्स	मनीषा पति संदीप बिंदल	विक्रय पत्र
06	54	349	भूमि/भूखण्ड 14 का भाग प्रेम रेसीडेंसी	राहुल कुमार पिता गोविन्द प्रसाद	चेतन वर्मा पिता मनोहर वर्मा	विक्रय पत्र
06	53	350	भूमि/भूखण्ड बी 38/30 त्रिवेणी विहार	उज्जैन विकास प्राधिकरण	मोहम्मद हनीफ पिता वली मोहम्मद	विक्रय पत्र
06	51	351	भूमि/भूखण्ड 225 महाश्वेता नगर	अर्चना जैन पति स्व अनिल, अभिषेक पिता स्व अनिल जैन	मंजूलता पति सुधीर कुमार गुप्ता	विक्रय पत्र
06	34	352	भूमि/भूखण्ड 39/29 जयसिंहपुरा	बाबुलाल पिता स्व लक्ष्मीनारायण नामदेव	लव पुरोहित पिता दिपक, मीना पति दिपक	विक्रय पत्र
06	54	353	भूमि/भूखण्ड बी 127 आदिनाथ रेसी.	रेणु सबनानी पति वासुदेव सबनानी	भगवती बाई पति भगवान सिंह नितेश पिता भगवान सिंह	विक्रय पत्र
06	54	354	भूमि/भूखण्ड सी 14 पार्श्वनाथ सिटी	प्रीति पति गोपाल माहेश्वरी	संजना पति ब्रजलाल वाधवानी	विक्रय पत्र
06	54	355	भूमि/भूखण्ड बी 62 पार्श्वनाथ सिटी	पार्श्वनाथ डेवलपर्स	राजश्री पति अमोद गुप्ता	विक्रय पत्र
06	54	356	भूमि/भूखण्ड डी 15/3 क्षिप्रा विहार	वैजयंती पिता स्व मांगीलाल जी	सुमन बाई पति कैलाशचंद्र वाडिया	विक्रय पत्र
06	36	357	भूमि/भूखण्ड 3733/2, 3734/1 कंचन विहार	विमलचंद पिता बिरदीचंद जैन	रोहित पिता माणकलाल प्रजापति	विक्रय पत्र
06	48	358	भूमि/भूखण्ड 190 त्रिवेणी विहार	दीपक पिता स्व राजेश गेहलोत	संगीता पति भेरूलाल कलाल	विक्रय पत्र
06	47	359	भूमि/भूखण्ड 31 स्नेह नगर	आशीष पिता सव बालकृष्ण जी घाटे	हर्षवर्धन पिता स्व कैलाशचन्द्र जी जैन	विक्रय पत्र
06	54	360	भूमि/भूखण्ड 03 मंगलमुर्ति डिलाईट	मंगलमुति कन्स्ट्रक्शन	अभिषेक पिता मुकेश कुमार गुप्ता	विक्रय पत्र
06	48	361	भूमि/भूखण्ड 201 वृन्दावन धाम	प्राची परचुरे पति प्रदीप परचुरे	अनीता पति राजीव जोशी	विक्रय पत्र
06	54	362	भूमि/भूखण्ड 94 भाग सनराईज सिटी	गायत्री पति लेखराज यादव	अनीता पति राजीव जोशी	विक्रय पत्र
06	47	363	भूमि/भूखण्ड 107 /1 अशोक नगर	ऋषिराज पिता स्व रामबाबू शर्मा	राहुल पिता पुरालाल	विक्रय पत्र
06	53	364	भूमि/भूखण्ड इ 15 उपवन रेसी.	सत्यनारायण पिता मुन्नालाल खोईवाल	प्रवीण पिता राधेश्याम, प्रज्ञा पति प्रवीण मेहता	विक्रय पत्र
06	53	365	भूमि/भूखण्ड इ 14 उपवन रेसी.	सत्यनारायण पिता मुन्नालाल खोईवाल	प्रवीण पिता राधेश्याम, प्रज्ञा पति प्रवीण मेहता	विक्रय पत्र
06	54	366	भूमि/भूखण्ड 36 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	367	भूमि/भूखण्ड 37 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	368	भूमि/भूखण्ड 132 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	369	भूमि/भूखण्ड 145 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	370	भूमि/भूखण्ड 25 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	371	भूमि/भूखण्ड 40 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	34	372	भूमि/भूखण्ड 76 जयसिंहपुरा	बसन्तीबाई पति स्व नानूराम	शिवनारायण पिता स्व नानुराम मेवाड़ा, छोटेलाल, राधेश्याम, संजू, गिरजामाली, अनिल, दिनेश, आशीषमाली	शपथ पत्र/मृत्युपत्र
06	54	373	भूमि/भूखण्ड 24 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	374	भूमि/भूखण्ड 38 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	54	375	भूमि/भूखण्ड 39 तिरूपति टाउन	तिरूपति इन्फा	वासुदेव पिता भगवानदास सबनानी	विक्रय पत्र
06	34	376	भूमि/भूखण्ड सर्वे 3426/3/1/4 यंत्रमहल मार्ग	बाबूलाल पिता पूनमचन्द्र माली	गोविंद पिता रमेशचन्द्र, संजय पिता हुकुमचंद जैन	विक्रय पत्र

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित झोन के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, नियत अवधी के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोट:– उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक: 20.02.2026

बालिका से अनैतिक कृत्य कर ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी करने वाले युवक ने बालिका को बदनाम करने की धमकी देकर अनैतिक कृत्य किया और मोबाइल से वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। बालिका की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। जिससे मोबाइल फोन भी जप्त किया गया। जीवाजीगंज क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी के लिए आए युवक ने कक्षा आठवीं में अध्ययन करने वाली बालिका को रास्ते में रोक बदनाम करने की धमकी दी और मोबाइल नंबर देकर बातचीत का दबाव बनाने लगा। बालिका विरोध का प्रयास किया लेकिन उसने जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। 18 फरवरी को बालिका स्कूल से घर लौट रही थी इस दौरान युवक उसे अपने साथ जबरदस्ती गणेश चौक से ऑटो में बैठाकर हरिफाटक ब्रिज के पास स्थित बंधन मैरिज गार्डन के समीप एक टीनशेड में ले गया, जहां उसके साथ जबरन गलत कार्य किया गया। आरोपी द्वारा घटना के दौरान मोबाइल फोन से फोटो एवं वीडियो बनाकर उन्हें वायरल करने की धमकी भी दी गई। आरोपी बालिका को उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गया। साथ ही घटना की जानकारी बालिका ने परिजनों को दी। परिजन जीवाजीगंज थाने पहुंचे। पुलिस ने मामले में पास्को एक्ट और अनैतिक कार्य करने के साथ ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे हरिफाटक ब्रिज के समीप बंधन गार्डन के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी करण दायमा उर्फ करण बंजारा पिता जगदीश दायमा 21 वर्ष निवासी शा. मा. विद्यालय के सामने, सुल्तानपुरा, आगर होना सामने आया है। उसके द्वारा बालिका के बनाए गए वीडियो और फोटो भी मोबाइल जप्त कर पुलिस ने लिए हैं। फिलहाल पूछताछ जारी है आरोपी को शनिवार दोपहर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 21 फरवरी को क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित होंगे

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत 16 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में 21 फरवरी 2026 को क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। नगर पालिका झाबुआ क्षेत्र के वार्ड नं 6 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड में आजाद चौक में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें संबंधित क्षेत्र के हितग्राही अपनी समस्याओं एवं आवेदनों के निराकरण हेतु उपस्थित हो सकेंगे।

ट्रेन में सवार युवकों के पास मिली हजारों की अवैध शराब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेन में सवार तीन युवकों को आरपीएफ पुलिस ने सर्चिंग के दौरान हिरासत में लिया, युवकों के पास से हजारों रुपए की अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। आरपीएफ की टीम ने तीनों को जीआरपी के सुपुर्द किया जहां मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। जीआरपी ने बताया कि इंदौर पटना ट्रेन में बैठे तीन युवकों के पास बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब होने की सूचना आरपीएफ टीम को मिली थी। ट्रेन में सर्चिंग के दौरान शुजालपुर के पास से तीनों युवकों को पकड़ा गया जिनके नाम पंकज, अंकित और राज रघुवंशी सामने आए। उनके बैग की तलाशी लेने पर अंग्रेजी शराब की बोतल भारी होना सामने आई। जिसकी कीमत 85 हजार के लगभग है। तीनों युवकों को हिरासत में लेने के बाद उन्हें उज्जैन जीआरपी के सुपुर्द किया गया। जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार तीनों युवकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया गया है। शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पूर्व में भी ट्रेनों के माध्यम से शराब लाने ले जाने के मामले सामने आ चुके हैं। विदित हो कि अब तक सड़क मार्ग से ही अवैध शराब परिवहन के मामले सामने आ रहे थे। धार्मिक नगरी में शराब पर प्रतिबंध लगा होने के बाद से शहरी सीमा में शराब लाने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है और धरपकड़ की जा रही है। इसी के चलते अवैध शराब मामलों में लिप्त मामलों में लिफ्ट लोगों द्वारा अब लोगों द्वारा ट्रेनों का सहारा लिया जा रहा है।

मंदसौर से गिरफ्त में आया पैरोल पर गया फरार बंदी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय जेल में 20 साल की सजा काट रहा बंदी पैरोल पर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा था। बंदी के फरार होने पर उसकी गिरफ्तारी के लिये इनाम घोषित किया गया था। 3 माह बाद पुलिस ने फरार बंदी को मंदसौर से गिरफ्तार किया है।

भैरवगढ़ थाना एएसआई जितेन्द्र गौसर ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट मामले में गोविंद पिता ईश्वर चौहान 42 साल निवासी ग्राम पावटी थाना गरोठ, जिला मंदसौर को न्यायालय ने 20 साल की सजा सुनाई थी। आरोपी गोविंद केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में सजा काट रहा था। 1 नवम्बर 2025 को उसे पैरोल पर 15 दिनों के लिये रिहा किया गया था। पैरोल अवधि समाप्त होने पर बंदी वापस नहीं लौटा था। जेल विभाग की ओर से उसके फरार होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में बंदी अधिनियम की धारा में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई थी। बंदी के बारे में जानकारी सामने नहीं आने पर उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एएसआई गौसर के अनुसार 3 माह बाद 18 फरवरी की रात सूचना मिली कि फरार बंदी अपने घर आया हुआ है। तत्काल आरक्षक जीवन कटारिया और आरक्षक लक्ष्मीचंद के साथ मंदसौर पहुंचकर ग्राम पावटी थाना गरोठ क्षेत्र में दबिश दी गई। फरार इनामी बंदी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसे गुरूवार को उज्जैन लाया गया और दोपहर में न्यायालय में पेश किया गया। जहां बंदी को केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ भेजा गया है।

शराब के साथ जहर पीने के बाद भाई को किया कॉल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिनों से लगातार शराब पी रहे युवक ने गुरुवार शाम जहर भी शराब में मिलाकर पी लिया था। हालत बिगड़ने पर भाई को कॉल किया। युवक को अस्पताल लाया गया लेकिन रात में उसकी मौत हो गई। दाऊद खेड़ी में रहने वाला वीरेंद्र पिता भारत सिंह 30 वर्ष दो दिनों से आगर रोड स्थित शराब दुकान के आसपास घूम रहा था और नशा कर रहा था। बीती शाम उसने शराब के साथ जहर मिलाकर पी। हालत बिगड़ने पर उसने भाई नरेंद्र को कॉल किया और जहर खाने की जानकारी दी। भाई अगर रोड पहुंचा और शराब दुकान के पास से वीरेंद्र को बेसुध हालत में निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां उपचार के दौरान रात में वीरेंद्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वीरेंद्र खेती किसानी का काम करता था और 2 बच्चों का पिता था। उसने मौत को गले क्यों लगाया इसकी वजह सामने नहीं आ पाई है। चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों के बयान और जांच के बाद ही घटना का कारण सामने आ पाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 31 जनवरी 2026 को विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी/कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन 20 फरवरी 2026, शुक्रवार को दोपहर 4ः00 बजे अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी की अध्यक्षता में किया गया। अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी एवं जिला पेंशन अधिकारी सुश्री वैशाली सिसौदिया, झाबुआ द्वारा जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारियों को पुष्पमाला एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके स्वत्वों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज पीपीओ/जीपीओ भी प्रदान किए गए। कलेक्टर नेहा मीना के प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर श्री चंदरसिंह सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवाकाल के दौरान अधिकारी-कर्मचारी अपनी दिनचर्या में अत्यंत व्यस्त रहते हैं। अब सेवानिवृत्ति के पश्चात अपने दीर्घ अनुभव का उपयोग समाज के उत्थान में करें तथा सेवाकाल के दौरान जिन सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों में पूर्ण सहभागिता नहीं कर पाए, उन्हें अब निश्चिंत होकर पूर्ण करें। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में डॉ. रविन्द्र सिंह, ओकारसिंह मैडा, श्री नारायणसिंह नायक, श्री राकेश कुमार यादव, श्री अशोक कुमार मुथा, श्री विजय कुमार भंडारी, श्री जगदीश चन्द्र आचार्य, श्री रामसिंह बामनिया, श्री जोहरसिंह जमरा, श्री रतनसिंह बारिया, श्री बहादुरसिंह भूरिया, श्रीमती लीला चौहान, शालिनी सेम्युअल आदी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

बारिश के बीच सड़कों पर उतरी खाकी, असामाजिक तत्वों को चेतावनी

त्यौहारों से पहले उज्जैन में दो बड़े फ्लैग मार्च, संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से हो रही निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों को देखते हुए शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुक्रवार सुबह पुलिस का दमदार फ्लैग मार्च निकाला गया। खास बात यह रही कि हल्की बारिश के बीच भी पुलिस जवान पूरी मुस्तैदी से कदमताल करते नजर आए। खाकी की यह सख्ती आमजन को भरोसा देने और उपद्रवियों को चेतावनी देने के लिए थी।

उल्लेखनीय है कि रमजान पर्व शुरू हो गया है और आगामी दिनों में होली का बड़ा त्यौहार आने वाला है। इसके मद्देनजर शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे शहर के टॉवर चौक पर पहला फ्लैग मार्च शुरू हुआ। इसमें माधवनगर, नीलगंगा, देवासगेट, नानाखेड़ा, नागझिरी और पुलिस लाइन का बल शामिल हुआ। सीएसपी दीपिका शिंदे की मौजूदगी में पुलिस दल टॉवर से आगे बढ़ा और इंदिरा गांधी प्रतिमा, तीन बत्ती चौराहा, लोति तिराहा, हनुमान नाका होते हुए हरिफाटक तक मार्च किया। इस दौरान संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में विशेष रूप से भ्रमण कर हालात का जायजा लिया गया।

ड्रोन और कैमरों से हर गतिविधि पर नजर- फ्लैग मार्च को केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा गया। पूरी कार्रवाई की ड्रोन और कैमरों के जरिए वीडियोग्राफी कराई गई, ताकि हर गतिविधि रिकॉर्ड में रहे और जरूरत पड़ने पर सख्त कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शहर के पुराने क्षेत्र में दूसरा मार्च- इसी क्रम में दूसरा फ्लैग मार्च थाना महाकाल, कोतवाली, जीवाजीगंज और खाराकुआं के पुलिस बल के साथ निकाला गया। इसकी शुरुआत तोपखाना से हुई। यहां से पुलिस दल उपकेश्वर चौराहा, कसाईवाड़ा, गुदरी चौराहा, पटनी बाजार, गोपाल मंदिर, कमरी मार्ग चौराहा, केडी गेट, पीपलीनाका होते हुए जूना सोमवारिया तक पहुंचा। इस व्यवस्था के प्रभारी डीएसपी लाइन भारतसिंह यादव और सीएसपी जीवाजीगंज पुष्पा प्रजापति रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान गश्त बढ़ाई जाएगी और सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी।

संदेश साफ, शांति भंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई- बारिश की बूंदों के बीच सड़कों पर उतरी खाकी ने साफ संकेत दे दिया कि त्योहारों में उल्लास बना रहे, लेकिन कानून हाथ में लेने वालों के लिए कोई रियायत नहीं होगी। पुलिस का यह शक्ति प्रदर्शन आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना और असामाजिक तत्वों में भय पैदा करने के उद्देश्य से किया गया। त्योहारों से पहले शहर में इस तरह पुलिस प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आगामी त्योहारों के दौरान पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उज्जैन में बिन मौसम बरसे बदरा, दिन-रात के तापमान में 3 डिग्री तक गिरावट

सुबह 4 बजे से रिमझिम का दौर, सड़कों पर पसरा कीचड़, चौड़ीकरण वाले क्षेत्रों में बढ़ी परेशानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी की दस्तक से पहले एक बार फिर मौसम ने करवट ली और शहर में बिन मौसम बारिश ने लोगों को चौंका दिया। आज शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे से शुरू हुई रिमझिम बारिश का सिलसिला सुबह 11 बजे तक जारी रहा। इस अचानक हुई वर्षा से दिन और रात के तापमान में करीब 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई।

मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों पर पानी भरने और कीचड़ फैलने से आवागमन प्रभावित हुआ। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां हालात ज्यादा खराब नजर आए। बारिश के चलते सुबह के समय ठंडी हवाएं चलीं, जिससे मौसम सुहावना हो गया। पिछले दिनों जहां अधिकतम तापमान लगातार बढ़ रहा था, वहीं गुरुवार को इसमें करीब 3 डिग्री की कमी देखी गई। न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे सुबह-शाम हल्की ठंडक महसूस हुई।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से यह बदलाव आया है। अगले एक-दो दिन तक बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना बनी रह सकती है।

अचानक हुई बारिश के कारण सुबह स्कूल और दफ्तर जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग बिना तैयारी के घर से निकले थे, ऐसे में उन्हें रास्ते में भीगना पड़ा। वहीं कुछ लोगों ने लंबे समय बाद फिर से रेनकोट और छाते का सहारा लिया।

चौड़ीकरण क्षेत्रों में फैला कीचड़- शहर के निजातपुरा, कोतवाली रोड, शांति नगर क्षेत्र सहित अन्य इलाकों में सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है, वहां बारिश ने मुश्किलें बढ़ा दीं। अधूरे पड़े हिस्सों में पानी भर गया और मिट्टी कीचड़ में बदल गई। दोपहिया वाहन चालकों को फिसलन का सामना करना पड़ा, वहीं पैदल चलने वालों को भी सावधानी बरतनी पड़ी। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान उचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है।

फसलों के लिए फायदेमंद मानी जा रही बारिश - हालांकि शहरी क्षेत्र में बारिश ने परेशानी बढ़ाई, लेकिन आसपास के ग्रामीण इलाकों में इसे रबी की फसलों के लिए लाभकारी माना जा रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय हल्की वर्षा से गेहूं और चने की फसल को फायदा मिलेगा।

सीएमएचओ द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने शुक्रवार को जिले की ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। सिविल अस्पताल तराना में निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन अस्पताल भवन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए तथा वहां पर आयुष्मान कार्ड, प्रसुति अपडेशन कार्य, दस्तक अभियान द्वितीय चरण, सांस अभियान, सीएम हेल्पलाईन, संस्थागत प्रसव का अवलोकन, आयुष्मान कार्ड डिलेवरी अपडेशन दस्तक अभियान द्वितीय चरण, सांस अभियान, सीएम हेल्पलाइन. संस्थागत प्रसव, शतप्रतिशत गर्भवती पंजीयन, हाईरिक्स गर्भवती पंजीयन आदि जानकारी लेकर शत प्रतिशत प्रगति के लिए आवश्यक निर्देश दिए। क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत एएन.सी. पंजीयन कर 04 एएन.सी. जांच शतप्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देश दिये गये। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनका प्रसव पूर्व प्रबंधन करने के लिए निर्देश दिये गये। क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं से निरन्तर समन्वय कर उनका संस्थागत प्रसव सम्पादित करवाने व डिलेवरी अपडेशन सहित अनमोल पोर्टल पर समस्त प्रकार की प्रविष्टि भी शतप्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देश दिये गये। संस्था के अन्तर्गत सी.एम हेल्पलाईन पर दर्ज शिकायतों का अविलम्ब त्वरित निराकरण करने सहित हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को यथासमय लाभ पहुंचाये जाने के लिए भी निर्देश दिए गए। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत समस्त पात्र नागरिकों के शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए निर्देश दिये गये। नियमित टीकाकरण के अन्तर्गत शिशुओं व गर्भवती महिलाओं का भी शतप्रतिशत टीकाकरण कर युविन पोर्टल पर प्रविष्टि करने के लिए निर्देश दिये गये। संस्था में भर्ती गर्भवती महिलाओं से चर्चा कर उनको प्रदान की जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर प्रसूता महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवायें एवं निर्धारित डाईट चार्ट अनुसार गुणवत्तापूर्ण पोष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर सीबीएमओ डॉ. प्रमोद अर्गल, जिला एपिडेमिलॉजिस्ट डॉ. आदित्य माथुर, डॉ. रवि बडाल, उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी श्री चरण सिंह मंडलोई, इंजीनियर श्री रितेश चौरसिया, अकाउंट मैनेजर श्री विकास सिंह आदी।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा छात्रों से चर्चा कर छात्रों को करियर संबंधित और इंटरनेट के सदुपयोग पर मार्गदर्शन दिया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार दोपहर दो तालाब समीप स्थित आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित महाविद्यालयीन बालक छात्रावास, अनुसूचित विकास विभाग द्वारा संचालित सीनियर बालक छात्रावास, छात्रावास क्रमांक 10 का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान बेंचेस को पेंट करने ,टीवी को नियमित रूप से चालू रखने और सीसीटीवी कैमरों के नियमित संचालन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान छात्रावासों में पीने के पानी के लिए आरओ, भोजनशाला और छात्रावास में स्वच्छता ,खाने की गुणवत्ता का जायजा लिया और नाश्ता, लंच, डिनर की समय पर उपलब्धता की जानकारी छात्रों से प्राप्त की। छात्रों द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें समय पर भोजन प्राप्त होता है और छात्रावास में नियमित साफ सफाई भी की जाती है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट द्वारा छात्रों से चर्चा कर छात्रों को बोर्ड परीक्षा , करियर संबंधित और इंटरनेट के सदुपयोग पर मार्गदर्शन दिया। निरीक्षण के दौरान आदिवासी विकास विभाग की जिला अधिकारी सुश्री निधि जायसवाल और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फांसी लगाने वाला झांसी निवासी निकला... कब्र खोदकर निकाली लाश

15 दिन पहले उदयन मार्ग पर पेड़ से लटका मिला था शव, पहचान नहीं होने पर किया गया था दफन, भाई ने पहुंचकर की शिनाख्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उदयन मार्ग पर करीब 15 दिन पहले पेड़ से लटका मिला अज्ञात युवक अब पहचान में आ गया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद शव को शिनाख्त नहीं होने पर दफना दिया था। शुक्रवार को मृतक के भाई के उज्जैन पहुंचने के बाद श्मशान में दफनाए गए शव को कब्र खोदकर बाहर निकाला गया और पहचान की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई।

पुलिस के अनुसार, घटना करीब पंद्रह दिन पुरानी है। उदयन मार्ग पर सुबह राहगीरों ने एक युवक को पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका देखा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। काफी प्रयासों के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। आसपास के थानों और गुमशुदगी रजिस्टर में भी मिलान कराया गया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद नियमानुसार शव को श्मशान में दफना दिया गया था। गुरुवार को झांसी निवासी संजूसिंह उज्जैन पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी कि उनका भाई इंद्रजीत दो साल से इंदौर में रहकर एक फैक्टरी में काम कर रहा था और कुछ समय से परिवार से संपर्क में नहीं था। हाल ही में सोशल मीडिया और परिचितों के माध्यम से उन्हें उज्जैन में मिले अज्ञात शव की जानकारी मिली, जिसके आधार पर वे यहां पहुंचे। पुलिस ने शुक्रवार सुबह प्रशासनिक अनुमति के बाद श्मशान में दफनाए गए स्थान को चिन्हित कर शव बाहर निकलवाया। संजूसिंह ने शव की पहचान अपने भाई इंद्रजीत के रूप में की। आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इंद्रजीत उज्जैन कैसे और किन परिस्थितियों में पहुंचा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और इंदौर में उसके कार्यस्थल तथा परिचितों से भी जानकारी जुटाई जाएगी, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता चल सके।

कलेक्टर श्री सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट ने बड़नगर अनुभाग का औचक निरीक्षण किया

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय योजनाओं और संकल्प से समाधान अभियान के क्रियान्वयन की जानकारी ली

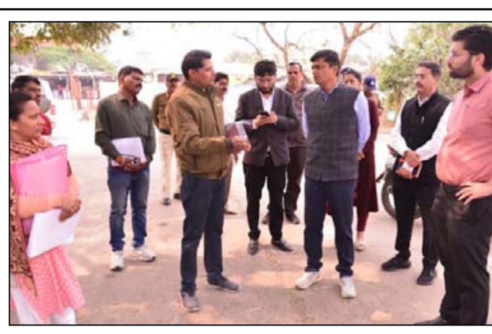

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट ने शुक्रवार दोपहर बड़नगर अनुभाग का औचक निरीक्षण कर शासकीय योजनाओं और संकल्प से समाधान अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने बड़नगर तहसील के ग्राम चिकली के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीएम श्री शासकीय एकीकृत विद्यालय, पंचायत भवन का निरीक्षण किया । इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया और ग्राम पंचायत इंगोरिया में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान पीएम श्री शासकीय एकीकृत विद्यालय में बोर्ड परीक्षाओं की संचालन व्यवस्था और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता देखी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यालय स्थित आईसीटी लेब सह डिजिटल लाइब्रेरी का अवलोकन किया। अटल लेब के संबंध में जानकारी दी गई कि लेब में स्कैच जूनियर प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्रों द्वारा डिजिटल स्केच किया जाता है। साथ ही छात्रों को कोडिंग भी सिखाई जा रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिकली के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर,चिकली में संस्थागत प्रसव,एएनसी पंजीयन और दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली।

उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-8 पर बन रहा 'पिंक बूथ'

जीआरपी थाना परिसर में तैयार हो रहा विशेष कक्ष, महिला यात्री बच्चों को दूध पिलाने और विश्राम की ले सकेंगी सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर यात्रा के दौरान महिला यात्रियों को होने वाली असुविधाओं को देखते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 8 स्थित जीआरपी थाना परिसर में पिंक बूथ तैयार किया जा रहा है। इस बूथ में महिला यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस पिंक बूथ का उद्देश्य खासतौर पर उन महिलाओं को सुविधा देना है, जो छोटे बच्चों के साथ यात्रा करती हैं। यहां महिलाएं आराम से बैठकर अपने शिशुओं को दूध पिला सकेंगी। इसके अलावा छोटे बच्चों के विश्राम के लिए भी अलग से व्यवस्था की जाएगी, ताकि लंबी यात्रा के दौरान उन्हें परेशानी न हो। अधिकारियों ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि प्लेटफार्म पर भीड़भाड़ के कारण महिलाओं को बच्चों को दूध पिलाने या कुछ देर आराम करने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पाता। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए जीआरपी थाना परिसर में सुरक्षित और गोपनीय वातावरण वाला कक्ष विकसित किया जा रहा है। पिंक बूथ में साफ-सफाई, बैठने की सुविधा और आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं की जाएंगी। सुरक्षा की दृष्टि से यह स्थान जीआरपी की निगरानी में रहेगा, जिससे महिला यात्री स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें।

रेलवे प्रशासन का कहना है कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे महिला यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। पिंक बूथ शुरू होने के बाद प्लेटफार्म नंबर 8 पर यात्रा करने वाली महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

उज्जैन में विक्रमोत्सव मेले की टैक्स छूट अटकी

एनआईसी पोर्टल अपडेट नहीं होने से बढ़ी परेशानी, आरटीओ बोले- किसी को नहीं होगी पेनाल्टी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में चल रहे विक्रमोत्सव व्यापार मेले में वाहन खरीदारों को दी जा रही रोड टैक्स छूट फिलहाल तकनीकी कारणों से अटक गई है। पांच दिन पहले शुरू हुए इस मेले में गुरुवार रात तक 2965 वाहन बिक चुके हैं। इनमें चार पहिया वाहनों की संख्या सबसे अधिक है। बिक्री के आंकड़े जहां उत्साहजनक हैं, वहीं टैक्स छूट की प्रक्रिया रुकने से डीलरों और ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है।

मामला नेशनल इंफोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के पोर्टल से जुड़ा है। इसी केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से रोड टैक्स जमा होता है। लेकिन सॉफ्टवेयर की व्यवस्था ऐसी है कि एक समय में पूरे राज्य में केवल एक शहर को ही मेले की टैक्स छूट का विकल्प दिया जा सकता है।

प्रदेश में इस समय दो वाहन मेले चल रहे हैं। एक मेला ग्वालियर में 25 दिसंबर से 25 फरवरी तक आयोजित है, जबकि उज्जैन में 15 फरवरी से मेला शुरू हुआ है। फिलहाल पोर्टल पर ग्वालियर मेले की छूट ही सक्रिय है, जिससे उज्जैन में बिके वाहनों का टैक्स प्रोसेस नहीं हो पा रहा है।

दो हजार से ज्यादा वाहन बिना टैक्स सड़कों पर - स्थिति यह है कि उज्जैन में बिके दो हजार से अधिक वाहन बिना रोड टैक्स जमा हुए ही सड़कों पर उतर चुके हैं। डीलरों ने कई वाहनों का बीमा तो करा दिया है, लेकिन टैक्स की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से उन्हें 10 प्रतिशत पेनाल्टी लगने का डर सता रहा है।

क्या है नियम और क्यों बढ़ी चिंता - नियमों के अनुसार वाहन खरीदते समय बीमा और रोड टैक्स दोनों की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। बीमा कराने के अधिकतम सात दिन के भीतर टैक्स जमा करना जरूरी है। तय समय सीमा में टैक्स जमा नहीं होने पर 10 प्रतिशत तक पेनाल्टी लग सकती है।

उज्जैन में 15 फरवरी से मेला शुरू हुआ है, ऐसे में बीमित वाहनों का टैक्स 22 फरवरी तक जमा होना आवश्यक है। यही वजह है कि डीलर और ग्राहक दोनों ही संशय में हैं।

ऑफ द रिकॉर्ड चर्चा भी गर्म- इधर बाजार में यह चर्चा भी है कि कुछ डीलरों को मेले में बिके वाहनों का बीमा फिलहाल नहीं कराने की सलाह दी जा रही है, ताकि टैक्स की अड़चन से बचा जा सके। हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डीलर और ग्राहक दोनों असमंजस में.- डीलरों का कहना है कि उन्होंने ग्राहकों से टैक्स छूट के हिसाब से राशि ले ली है और अधिकांश वाहनों की डिलीवरी भी दे दी गई है। यदि सात दिन के भीतर टैक्स जमा नहीं हो पाया तो पेनाल्टी का भार उन पर आ सकता है। दूसरी ओर ग्राहक भी आशंकित हैं कि कहीं बाद में उनसे अतिरिक्त राशि की मांग न कर ली जाए।

आरटीओ का आश्वासन - क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष मालवीय का कहना है कि किसी भी वाहन खरीदार को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी वाहनों का वैरिफिकेशन जारी है और दिल्ली स्तर पर तकनीकी टीम पोर्टल अपडेट करने में जुटी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरटीओ ने दावा किया कि शुक्रवार से टैक्स जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और सभी को नियमानुसार छूट का लाभ मिलेगा।

स्थिति साफ होने तक डीलर और ग्राहक दोनों इंतजार में हैं। अब सबकी नजर एनआईसी पोर्टल के अपडेट पर टिकी है।

चना एवं मसूर उपार्जन के लिए किसान 16 मार्च तक पंजीयन करा सकेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग श्री यू.एस. तोमर ने बताया कि रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर उपार्जन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों का पंजीयन आगामी 16 मार्च तक किया जाना है। चने का समर्थन मूल्य रू 5875/ क्विंटल एवं मसूर का समर्थन मूल्य रू 7000/- प्रति क्विंटल है।

किसान भाई गेंहू फसल की तरह खाद्य विभाग के पोर्टल पर चना एवं मसूर फसल का पंजीयन करा सकेंगे। साथ ही गेंहू के उपार्जन नीति अनुसार ही चना एवं मसूर फसल उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कर सकेंगे। किसान भाई अपनी नजदीकी सेवा सहकारी समिति (पंजीयन केन्द्र) में जाकर पंजीयन करा सकेंगे।

अतः जिले के किसान भाईयों से निवेदन है कि गेंहू फसल के साथ चना एवं मसूर फसल के उपार्जन के लिए उक्त समयावधि में पंजीयन कराएं।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत उज्जैन जिले में निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी 21 मार्च तक लगाए जाएंगे। उक्त शिविरों में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अनुबंधित अशासकीय अस्पतालों के सहयोग से समस्त पात्र नागरिक और 70 व इससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सक/पैरामैडिकल स्टाफ के माध्यम से निरंतर सेवाएं दी जा रही है। शिविर में आने वाले हितग्राहियों की हृदय जांच, आंखों की जांच कर उपचार प्रदान किया जा रहा है। आने वाले दिनों में भी निरंतर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 21 फरवरी को बड़नगर विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाटपचलाना, रविवार 22 फरवरी को उज्जैन शहर के प्राथमिक स्वासथ्य केंद्र जयसिंहपुरा और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक फिश मार्केट, सोमवार 23 फरवरी को शहर के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक अंबापुरा और तराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नांदेड़, 24 फरवरी को महिदपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खेड़ाखजुरिया और नागदा-खाचरौद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ावदा, 25 फरवरी को महिदपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रणायरापीर और तराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनासिया, 27 फरवरी को तराना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माकडौन, 28 फरवरी को बड़नगर के मुख्यमंत्री संजीवनि क्लिनिक जूनी कचहरी, महिदपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झारडा और तराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढाबलाहरदू, 02 मार्च को उज्जैन ग्रामीण के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर, 05 मार्च को उज्जैन ग्रामीण के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंथपिपलई, 06 मार्च को घट्टिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केद्र, 07 मार्च को तराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रूपाखेडी, 09 मार्च को बड़नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया और नागदा-खाचरौद के सिविल अस्पताल नागदा, 11 मार्च को नागदा-खाचरौद को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उन्हेल, 12 मार्च को घट्टिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पानबिहार, 14 मार्च को नागदा-खाचरौद के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नागदा और सिविल अस्पताल खाचरौद, 15 मार्च को बड़नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरसौदकला, महिदपुर के सिविल अस्पताल और तराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कायथा आदी।